email:mahanadisuperfast20@gmail.com

३ राज्य ओडिशा छत्तीसगढ झारखंड का लाइफ लाइन

महानदी सुपरफास्ट

MAHANADI SUPERFAST

वर्ष:3 अंक:51 कटक सोमवार 04 जुलाई 2022 मूल्य रु.2.00 R.N.I NO. ODIHIN/2020/81174

सितंबर से हर महीने शुरू होंगी चार वंदे भारत ट्रेनें, सीट और डिजाइन पहले से होगा अलग

नई दिल्ली। देश में विभिन्न शहरों को जोड़ने के लिए चार सौ वंदे भारत ट्रेनों को चलाने की योजना को मूर्त रूप देने की तैयारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार सितंबर से प्रत्येक माह चार वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत होगी। दिल्ली से भी कई शहरों के बीच यह ट्रेन चलेगी। यात्रियों की सुविधा के अनुसार इसकी सीट और डिजाइन में बदलाव किया जा रहा है।

2019 में चली पहली वंदे भारत ट्रेन

नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन 15 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उसी वर्ष तीन अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर 75 वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। केंद्रीय बजट में इनकी संख्या बढ़ाकर चार सौ कर दी गई।

रेल मंत्री ने की थी घोषणा

रेल मंत्री ने पिछले दिनों दिल्ली से खजुराहो के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। साथ ही दिल्ली से चंडीगढ़, अमृतसर, जयपुर, इंदौर, लखनऊ व अन्य शहरों के बीच भी यह ट्रेन चलाने प्रस्ताव है। अगले कुछ माह में यहां से चार ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा। इस समय दिल्ली से अलग-अलग शहरों के लिए गतिमान सहित 11 शताब्दी ट्रेनें चलती हैं। अधिकारियों का कहना है कि वंदे भारत, गतिमान, शताब्दी, तेजस और राजधानी एक्सप्रेस का संचालन होने के कारण यहां तेज गति वाली ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था पहले से है। दिल्ली से अलग-अलग रेलखंड पर ट्रैक की गति क्षमता भी बढ़ाई गई है। इससे यहां से नई वंदे भारत ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी। नई वंदे भारत ट्रेन पहले की तुलना में ज्यादा हल्की और कम ऊर्जा खपत वाली होगी। यात्रियों की शिकायत रही है कि शताब्दी के मुकाबले वंदे भारत की कुर्सियां कम सुविधाजनक हैं।

अमरावती हत्याकांड को एनआईए ने बताया आतंकी वारदात, बर्बर हत्या से दहशत फैलाना था मकसद

अमरावती के फार्मासिस्ट उमेश प्रहलादराव कोल्हे को तीन बाइक सवार इस्लामवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था, क्योंकि उसने पूर्व भाजपा नेता नुपुर शर्मा की कथित पैगंबर विरोधी टिप्पणी का समर्थन किया था।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अमारवती में उमेश कोल्हे की हत्या को आतंकी वारदात बताया है। एनआईए ने शनिवार देर रात दर्ज प्राथमिकी में कहा कि देशवासियों के एक वर्ग को आतंकित करने के मकसद से ISIS-स्टाइल में यह मर्डर किया गया। NIA इसकी भी जांच करेगी कि क्या यह मामला राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है या फिर विदेश से इस बर्बर अपराध को भड़काया गया है।

पीड़ित के बेटे की शिकायत के आधार पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18 और 20 और धारा 34, 153 (ए), 153 (बी), 120 (बी) और 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है। अमरावती के फार्मासिस्ट उमेश प्रहलादराव कोल्हे को तीन बाइक सवार इस्लामवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था, क्योंकि उसने पूर्व भाजपा नेता नुपुर शर्मा की कथित पैगंबर विरोधी टिप्पणी का समर्थन किया था। FIR में मुदस्सर अहमद, शाहरुख पठान, अब्दुल तौफीक, शोएब खान, आतिब राशिद, युसूफ खान, शाहिम अहमद और इरफान खान को अज्ञात लोगों के साथ आरोपी बनाया गया है।

धर्म के आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश

NIA की FIR के मुताबिक, मृतक उमेश कोल्हे की निर्मम हत्या आरोपियों और अन्य लोगों की एक बड़ी साजिश थी, जिन्होंने भारत के लोगों के एक वर्ग के बीच आतंक फैलाने की कोशिश की। साथ ही धर्म के आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देना इसका मकसद था। इस वारदात को 21 जून की रात 10:00 से 10:30 बजे के बीच अंजाम दिया गया। मालूम हो कि एनआईए ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस आदेश के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें नोडल संघीय जांच एजेंसी को मामले की जांच के लिए कहा गया था।

पुलिस ने लूट के मकसद से कई गई हत्या बताया–अमरावती पुलिस ने इस वारदात को लूट के मकसद से कई गई हत्या का मामला दर्ज किया था। एनआईए की प्राथमिकी यह साफ करती है कि पीड़ित के शॉप से कुछ भी चोरी नहीं हुआ था। ऐसे में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार के तहत राज्य की पुलिस पर गंभीर सवाल उठते हैं। तथ्य यह है कि राज्य पुलिस के डीजीपी ने पूछने के बावजूद घटना के बारे में केंद्र को कोई रिपोर्ट नहीं भेजी, बल्कि एनआईए की ओर से मामले को उठाने का इंतजार किया।

पीड़ित के बेटे की शिकायत के आधार पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18 और 20 और धारा 34, 153 (ए), 153 (बी), 120 (बी) और 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी 2500 मीट्रिक टन गेहूं की एक और खेप, कुल 50,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजने का लक्ष्य

अमृतसर। भारत ने मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान को 2500 मीट्रिक टन गेहूं की एक और खेप भेजी है। इसे अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भेजा गया। इस संबंध में सीमा शुल्क के संयुक्त आयुक्त बलबीर मंगत ने कहा कि अब तक अफगानिस्तान को कुल 36 हजार मीट्रिक टन गेहूं भेजा जा चुका है। भारत ने कुल 50,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसमें से अब केवल 14,000 मीट्रिक टन गेहूं और भेजा जाना बाकी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत ने अफगानिस्तान को गेहूं की एक और खेप भेजी है। वहां के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। भारत विश्व खाद्य कार्यक्रम के अंतर्गत अफगानिस्तान को 50,000 मीट्रिक टन गेहूं की मानवीय सहायता करेगा। इसी केअंतर्गत यह सहायता भेजी जा रही है। गौरतलब है कि भारत ने घोषणा की थी कि वह पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को 50,000 मीट्रिक टन (एमटी) गेहूं भेजेगा।

भारत से 2,500 टन गेहूं की मानवीय सहायता की पहली खेप 26 फरवरी को पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के जलालाबाद पहुंची, जबकि भारत की मानवीय सहायता का दूसरा काफिला 2,000 मीट्रिक टन गेहूं लेकर 3 मार्च को अटारी, अमृतसर से जलालाबाद, अफगानिस्तान के लिए रवाना हुआ। इसके अलावा, भारत ने 8 मार्च को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से 40 ट्रकों में अफगानिस्तान में 2,000 मीट्रिक टन गेहूं की तीसरी खेप भेजी। 2,000 मीट्रिक टन गेहूं की चौथी खेप 15 मार्च को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से अफगानिस्तान के लिए भेजी गई थी।

पाकिस्तान सरकार ने नवंबर 2021 में, अफगान लोगों के लिए एक विशेष मदद के रूप में, मानवीय सहायता के लिए असाधारण आधार पर वाघा सीमा के माध्यम से भारत से अफगानिस्तान में मानवीय सहायता के रूप में 50,000 मीट्रिक टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाओं के परिवहन को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार। मानवीय सहायता के परिवहन के लिए दी गई समयावधि 21 मार्च 2022 को समाप्त हो गई।

अमरावती मर्डर को लेकर नवनीत राणा ने पुलिस चीफ पर उठाए सवाल, कहा

डकैती का शक्ल देने की कोशिश; जांच की मांग

मुंबई। अमरावती की सांसद नवनीत राणा ने सिटी कमिश्नर पर केमिस्ट की हत्या मामले को दबाने का आरोप लगाया है। राणा ने कहा कि शहर की पुलिस आयुक्त आरती सिंह ने हत्या को डकैती के तौर पर पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ÷12 दिनों के बाद वह घटना पर सफाई दे रही हैं। उन्होंने पहले कहा कि यह एक डकैती थी और मामले को दबाने की कोशिश की। अमरावती के पुलिस आयुक्त के खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। निर्दलीय सांसद ने यह भी कहा कि उन्होंने मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था, जिसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कार्रवाई की। जांच के लिए एनआईए की टीम अमरावती पहुंची। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट कर कहा कि मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

हनुमान चालीसा मामले में हुई थी राणा दंपति की गिरफ्तारी

मालूम हो कि नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को अप्रैल में महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर उनकी ओर से हनुमान चालीसा का पाठ करने के ऐलान के बाद हुई। हालांकि, दंपति ने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगले दिन शहर के दौरे का हवाला देते हुए योजना को छोड़ दिया था। अमरावती में केमिस्ट की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। यह इस मामले में सातवीं गिरफ्तारी है। पुलिस ने कहा कि यह हत्या का संबंध भाजपा की निलंबित नेता नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट से हो सकता है। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीम अमरावती पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते (एटीएस) की एक टीम भी अमरावती शहर पहुंच रही

उदयपुर में हालात हुए सामान्य, जिला प्रशासन ने कर्फ्यू में दी 10 घंटे की छूट

नई दिल्ली। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के बाद अब हालात सामान्य होने लगे हैं। जिला प्रशासन ने भी शहर के हालात को देखते हुए लोगों को राहत दी है।

जिला प्रशासन ने कर्फ्यू में 10 घंटों की छूट दी है। सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक ये छूट दी गई है। इस दौरान लोग शहर में खरीदारी करते हुए नजर आए। वहीं, भारत में पिछले 24 घंटों में Covid-19 के 16,103 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 13,929 ठीक हुए और 31 लोगों की मौत हुई। मौसम विभाग ने आज देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर भारत में आज मौसम सामान्य रहेगा। एक दो स्थानों पर छिटपुट बारिश हो सकती है। राजधानी दिल्ली में 2 दिन बाद भारी बारिश की चेतावनी है।

पानी के लिए धरने पर बैठे विधायक राकेश सिंघा, जाम में फंसने से मरीज की मौत, MLA पर एफआईआर

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में माकपा के एकमात्र विधायक राकेश सिंघा और पार्टी के 11 अन्य नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनपर चक्काजाम में फंसने के कारण हुई एक मरीज की मौत का आरोप लगा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शुक्रवार को 34 किलोमीटर दूर बेखलटी में एनएच-5 पर एक नाकाबंदी से गुजरने नहीं देने की वजह से अस्थमा रोगी की मौत हो गई। शिमला जिले की ठियोग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंघा और अन्य आरोपी इलाके में अनियमित पानी की आपूर्ति को लेकर विरोध कर रहे थे। विधायक के नेतृत्व में भेखलटी में चक्का जाम किया गया था। इसकी वजह से सड़क पर जाम लगा हुआ था। उनपर आईपीसी की धारा 341, 143 और 304ए के तहत गलत तरीके से रोकने, गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होने और लापरवाही से मौत का कारण का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि वह अपने ससुर सुखचैन सिंह को उनके पैतृक गांव चिरगांव (रोहरू) ले जा रहे थे, जब उनका वाहन फागू से शुरू होने वाले लंबे ट्रैफिक जाम में फंस गया। इसकी वजह नाकाबंदी थी। उन्होंने बताया किउनके ससुर को कुछ घंटे पहले शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से छुट्टी दी गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें आपात स्थिति में नजदीकी अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। माकपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सुरेश ने कहा, उन्होंने सांस फूलने की शिकायत की, लेकिन हमारी गाड़ी जाम में फंस गई। बड़ी मुश्किल और 75 मिनट की देरी के बाद पुलिस ने नाकाबंदी पार करने में हमारी मदद की और हम ठियोग के अस्पताल पहुंचे। लेकिन इस देरी की वजह से उनकी मौत हो गई। सुरेश का कहना है कि अगर समय रहते अस्पताल पहुंच जाते तो ससुर की जान बच सकती थी।

समय से पहले पूरे देश में पहुंचा मानसून, अगले पांच दिनों तक इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को हुई बरसात के साथ ही दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे देश में समय से छह दिन पहले ही पहुंच गया है। केरल में भी सामान्य समय एक जून से तीन दिन पहले ही 29 मई को मानसून पहुंच गया था। भारत के मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून के पूरे देश में पहुंचने की सामान्य तिथि आठ जुलाई है। आइएमडी ने जुलाई में उत्तर भारत के कुछ हिस्सों, मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के अधिकतर हिस्सों में %सामान्य और सामान्य से अधिक% बारिश की भविष्यवाणी की है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक नागालैंड, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा, गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक और केरल और माहे

में भी भारी बारिश हो सकती है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पिछले दो दिन में हुई हल्की से मध्यम बारिश के बाद कई हिस्सों में जलजमाव की खबरें सामने आई थी।

अगले पांच दिन में ओडिशा समेत कई क्षेत्रों में झमाझम बरसात

आइएमडी की भविष्यवाणी के मुताबिक अगले पांच दिन के दौरान ओडिशा, गुजरात, कोंकण और गोवा में जोरदार बारिश की संभावना है। मध्य भारत में चार और पांच जुलाई को और पश्चिमोत्तर भारत में पांच और छह जुलाई को झमाझम बरसात हो सकती है। उत्तर ओडिशा के ऊपर बन रहा कम दबाव का क्षेत्र बांग्लादेश के ऊपर चक्रवात की स्थिति बन रही है। ओडिशा के उत्तर में कम दबाव का क्षेत्र भी बनने के संकेत मिले हैं। इससे संबंधित क्षेत्र के साथ ही मध्य भारत में मानसूनी बारिश में तेजी आ सकती है।

जुलाई में क्या रहेगी बारिश की स्थिति

आइएमडी ने कहा कि राजस्थान को छोड़कर मानसून के कोर क्षेत्र में पड़ने वाले सभी राज्यों में कम बारिश हुई है। मानसून के कोर जोन में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा आते हैं जहां कृषि बारिश पर आधारित है। विभाग के अनुसार दो जुलाई तक गुजरात में दीर्घकालिक औसत (एलपीए) से 37 प्रतिशत कम बरसात हुई। इसी तरह ओडिशा में 34, महाराष्ट्र में 25, छत्तीसगढ़ में 25 और मध्य प्रदेश में 15 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। जबकि, राजस्थान में एलपीए से 33 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। जुलाई में 280 मिलीमीटर बारिश की उम्मीद विभाग के अनुसार 1971-2020 के दौरान हुई बारिश के औसत के आधार पर 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच बरसात को सामान्य माना जाता है। जुलाई में देश में 280.4 मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद जताई गई है।

संपादकीय

महाराष्ट्र के कुछ महासबक

महाराष्ट्र की राजनीति भारत के लिए कुछ महासबक दे रही है। सबसे पहला सबक तो यही है कि परिवारवाद की राजनीति पर जो पार्टी टिकी हुई है, वह खुद के लिए और भारतीय लोकतंत्र के लिए भी खतरा है। खुद के लिए वह खतरा है, यह उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने सिद्ध कर दिया है। अब जो शिवसेना उद्धव ठाकरे के पास बची हुई है, वह कब तक बची रहेगी या बचेगी या नहीं बचेगी, कुछ पता नहीं। उसके दो टुकड़े पहले ही हो चुके थे जैसे लालू और मुलायम सिंह की पार्टियों के हुए हैं। ये पार्टियां परिवार के अलग-अलग खंभों पर टिकी होती हैं। कोई पार्टी मां-बेटा पार्टी है तो कोई बाप-बेटा पार्टी है। कोई चाचा-भतीजा पार्टी है तो कोई बुआ-भतीजा पार्टी है। बिहार में तो पति-पत्नी पार्टी भी रही है। अब जैसे कांग्रेस भाई-बहन पार्टी बनती जा रही है, वैसे ही पाकिस्तान में भाई-भाई पार्टी, पति-पत्नी पार्टी और बाप-बेटा पार्टी है। ये सब पार्टियां अब पार्टियां रहने की बजाय प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां बनती जा रही हैं। न तो इनमें आंतरिक लोकतंत्र होता है, न इनमें आमदनी और खर्च का कोई हिसाब होता है और न ही इनकी कोई विचारधारा होती है।

इनका एकमात्र लक्ष्य होता है- सत्ता प्राप्ति! यदि सेवा से सत्ता मिले और सत्ता से सेवा की जाए तो उसका कोई मुकाबला नहीं लेकिन अब तो सारा खेल सत्ता और पत्ता में सिमट कर रह गया है। सत्ता हथियाओ ताकि नोटों के पत्ते बरसने लगें। सत्ता से पत्ता और पत्ता से सत्ता-यही हमारे लोकतंत्र की पहचान बन गई है। राजनीति में भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार बन गया है। हमारी राजनीति में आदर्श और विचारधारा अब अंतिम सांसें गिन रही हैं। भारतीय राजनीति के शुद्धिकरण के लिए यह जरूरी है कि सभी पार्टियों में परिवारवाद पर रोक लगाने की कुछ संवैधानिक तजवीज की जाए। महाराष्ट्र की राजनीति का दूसरा सबक यह है कि परिवारवाद उसके नेता को अहंकारी बना देता है। वह अपने पद को अपने बाप की जागीर समझने लगता है। एक बार उस पर बैठ गया तो जिंदगी भर के लिए जम गया। पार्टी में नेता जो तानाशाही चलाता है, उसे वह सरकार में भी चलाना चाहता है। कभी-कभी ऐसे लोग सरकारों को बहुत प्रभावशाली और नाटकीय ढंग से चलाते हुए दिखाई पड़ते हैं लेकिन जब पाप का घड़ा फूटने को होता है तो उस वक्त आपातकाल थोपना पड़ता है। यदि भारत को हमें लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाए रखना है और उसे आपातकालों से बचाना है तो पार्टियों के आंतरिक लोकतंत्र की रक्षा के लिए कुछ संवैधानिक प्रावधान करने होंगे।

महाराष्ट्र में उपजे कुछ सबक

पहले प्रश्न का उत्तर तलाशने के लिए कर्नाटक से बात शुरू करते हैं। वहां मई २०१८ के विधानसभा चुनाव में किसी को बहुमत हासिल नहीं हुआ था। भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के तौर पर उभरी जरूर, लेकिन जनता दल (सेक्युलर) और कांग्रेस ने मिलकर सरकार बना ली थी। कांग्रेस के पास अधिक विधायक थे, फिर भी उसने एच डी कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बनाना मंजूर किया। उस समय तमाम विश्लेषकों ने माना था कि मोदी और शाह की आंधी रोकने के लिए ऐसी कुर्बानी जरूरी है। यह अवधारणा सही साबित होती, अगर खिचड़ी सरकार पांच साल काम कर जन-कल्याण के नए रिकॉर्ड रचती, पर ऐसा नहीं हुआ। वहां जल्द आपसी झगड़ों और मंत्रियों के भ्रष्टाचार की खबरें हवा में फैलने लगीं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कभी मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोलते, तो कुमारस्वामी भी पलटकर जहर उगलते। बस्ती बसने से पहले उजड़ने के आसार साफ थे। सरकार भरोसा बनाने और बचाने में नाकाम साबित हो रही थी। नतीजतन, गठबंधन का राज सिर्फ १४ महीने चार दिन बाद इतिहास के गर्त में समा गया और भाजपा ने जो गढ़ गंवाया था, वह उसे हासिल हो गया।

बाद में मध्य प्रदेश और अब महाराष्ट्र में यही कहानी दोहराई गई है।

यह क्या आश्चर्यजनक नहीं है कि पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष के समझौते अल्पजीवी होते हैं और एनडीए के दीर्घजीवी? बिहार के सफल प्रयोग के बाद महाराष्ट्र में अपने से छोटी पार्टी का मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा यही तो साबित करने की कोशिश कर रही है। शायद आपके मन में आ रहा हो कि अगर शिवसेना का मुख्यमंत्री बनाना था, तो ३१ महीने पहले उद्धव ठाकरे से टकराव की क्या जरूरत थी? यहां एक फर्क समझना जरूरी है। मातोश्री का उत्तराधिकारी होने के नाते शिंदे के मुकाबले ठाकरे मजबूत साबित होते। वह यकीनन सियासी 9भाऊ“ का दर्जा दोबारा हासिल करने की कोशिश करते। इसके उलट शिंदे को यह पुरस्कार अपनी पार्टी तोड़ने की एवज में मिला है। अगर वह असफल साबित होते हैं, तब भी भाजपा को नुकसान नहीं, फायदा होगा। एक मजबूत शिवसेना की जगह उसके दो धड़े राजनीतिक तौर पर कभी बड़ी चुनौती नहीं बन सकेंगे।

हालांकि, भाजपा आलाकमान द्वारा अचानक देवेंद्र फडणवीस पर उप-मुख्यमंत्री पद का दबाव बनाना अचंभित और आशंकित करता है। अगर महाराष्ट्र का यह प्रयोग सफल रहा, तो खुद को आने वाले दिनों में कुछ नए सियासी करतबों के लिए तैयार रखिए।

अक्सर विपक्ष आरोप लगाता है कि सरकार केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर सत्ता हथिया लेती है। इन एजेंसियों का सियासी इस्तेमाल तो पहले भी होता रहा है। सवाल उठता है कि सत्ता का ऐसा दुरुपयोग क्यों किया जाता रहा है? दरअसल, जिन लोगों के हाथ काले हैं, उन्हें अपने दाग छिपाने के लिए कोई न कोई सहारा ढूंढ़ना पड़ता है। यही वजह है कि राजनीति को उद्योग मानने वाले लोग आवश्यकतानुसार पार्टियां बदल लेते हैं। कुछ पार्टियां तो टिकट देने के लिए भी 9चंदा“ अथवा 9सहयोग“ लेती हैं। जो लोग बड़ी मात्रा में धनराशि खर्च करके यहां पहुंचते हैं, उन्हें अपने 9इनवेस्टमेंट“ की सुरक्षा के लिए सत्ता की जरूरत पड़ती है। ऐसे लोग भय या प्रलोभन का पहला शिकार बनते हैं।

यही नहीं, अधिकांश क्षेत्रीय दलों की कमान कुछ खानदानों के हाथ में है। ये लोग अपनी पार्टियों को सियासी दल के मुकाबले निजी स्वामित्व वाली कंपनी के तौर पर आंकते हैं। दिक्कत तब होती है, जब किसी जुझारू नेता की दूसरी अथवा तीसरी पीढ़ी कमान संभालती है। पार्टी का पुराना काडर उनकी नई रीति-नीति को स्वीकार करने में हिचकता है और फिर अनबन शुरू हो जाती है। शिवसेना इसका नवीनतम उदाहरण है।

अब आते हैं दूसरे प्रश्न पर कि क्या २०२४ में बिखरा हुआ विपक्ष कोई कमाल कर पाएगा? यह सच है कि ऊपरी तौर पर भारत के तमाम राज्य तथाकथित विपक्ष द्वारा संचालित हैं। इनमें द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम को छोड़ दें, तो केरल से लेकर पंजाब तक ऐसे तमाम दल हैं, जो मुख्य विपक्षी पार्टी, यानी कांग्रेस से टकराते हैं। दक्षिण में केरल, आंध्र और तेलंगाना में गैर-भाजपा सरकारें हैं। वे अगर भाजपा को नहीं चाहतीं, तो कांग्रेस को भी न पनपने देने के प्रति प्रतिबद्ध हैं। ओडिशा में बीजू जनता दल, बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी भी इसी रास्ते पर चल रही है। ऐसा नहीं है कि इन्हें एक छाते के नीचे लाने की कोशिश नहीं की गई। पिछले दिनों राष्ट्रपति प्रत्याशी के लिए होने वाली कवायद को याद कर देखिए। पहल करने वालों को उम्मीद थी कि यशवंत सिन्हा के पीछे समूचे गैर-एनडीए दल खड़े होंगे। ऐसा नहीं हुआ और अब सिन्हा एक सांकेतिक लड़ाई लड़ते दिखाई पड़ रहे हैं।

रही बात मतदाता की, तो वह इन पुराने और नए गठबंधनों का हश्र देखकर समझ गया है कि दलों का यह दलदल उसकी चाहतों की मंजिल नहीं बन सकता। वह एक मजबूत सरकार चाहता है और भाजपा नीत गठबंधन तमाम वजहों से ऐसा साबित करने में सफल रहा है। असम, मणिपुर और गोवा इसके उदाहरण हैं। वहां कांग्रेस या अपनी क्षेत्रीय पार्टियों से नाता तोड़ने वाले तथाकथित दलबदलू दोबारा चुन लिए गए। अगर महाराष्ट्र की बात करें, तो अभी तक प्राप्त संकेतों के अनुसार महाविकास अघाड़ी नगर-निकाय के चुनाव मिलकर लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। यह चुनाव गठबंधनों की राजनीति की दशा-दिशा का एक बार फिर खुलासा करेगा। बशर्ते गठजोड़ तब तक कायम रह सके।

अब आते हैं आखिरी सवाल पर कि क्या यह उन लोगों की आकांक्षाओं की हत्या नहीं है, जो गैर-एनडीए सरकार चाहते हैं? अगर पिछले लोकसभा चुनावों को देखें, तो भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दलों को लगभग ४५ फीसदी मत मिले। इसका एक अर्थ यह भी है कि ५५ प्रतिशत लोग इस गठबंधन के खिलाफ थे। यही वह मुकाम है, जहां तमाम आशावादी मान बैठते हैं कि कोई चमत्कार होगा और सत्तारूढ़ गठबंधन के विपक्ष में पड़ने वाले मत एकजुट हो सकेंगे। अतीत में दो बार ऐसा हुआ है और आगे इसे दोहराए जाने के लिए जय प्रकाश नारायण या विश्वनाथ प्रताप सिंह की तरह के किसी शख्स की जरूरत है। क्या फिलवक्त आपको ऐसी कोई सियासी विभूति दिखाई पड़ती है? इस सवाल का उत्तर ढूंढ़ते वक्त एक बात ध्यान रखिए, १८वीं लोकसभा के मतदान में अब महज २०-२१ महीने का वक्त रह बचा है। चुनावों की गरमी अगले वर्ष शुरू हो जाएगी। इतने कम वक्त में किसी चमत्कार की उम्मीद करना कितना सार्थक होगा? आप चाहें, तो इस सवाल में ही जवाब ढूंढ़ सकते हैं।

नूपुर दोषी, तो भगवान शिव का मजाक उड़ाने वाले क्यों नहीं?

बिक्रम उपाध्याय

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा को देश में सांप्रदायिक वैमनस्य के लिए सीधे-सीधे जिम्मेदार ठहराया है। यहां तक कि उदयपुर में जिन दो जिहादियों ने कन्हैया कुमार का गला रेता, उसके लिए भी नूपुर के बयान को जिम्मेदार ठहराया है। अदालत की प्रक्रिया और निर्णय का सम्मान हर नागरिक का कर्तव्य है। इस नाते यह मान लिया जाए कि भाजपा की पूर्व प्रवक्ता ने एक खास मजहब के रसूल के लिए अभद्र टिप्पणी कर देश का माहौल बिगाड़ दिया और उसी के कारण हर जगह फसाद हो रहे हैं, क्योंकि उस मजहब के मानने वालों के लिए उनके रसूल के खिलाफ बोलना सिर तन से जुदा होने का हकदार होना है। अदालत की बात को यहीं छोड़ते हैं। बात करते हैं विभिन्न संप्रदायों के कथित जानकारों, ठेकेदारों, नेताओं और उनके अनुयायियों के व्यवहार और बयानों की। फिर तय करते हैं कि किसने किस संप्रदाय या मजहब का कितना सम्मान किया और कितना अपमान किया। और उस सम्मान और अपमान को किस समुदाय ने कितना सहा और किसने किस तरह से प्रतिकार किया। किस समाज या संप्रदाय ने कितनी हिंसक और कितनी अहिंसक प्रतिक्रिया दी। २६ मई को नूपुर शर्मा ने एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के लिखाफ कथित टिप्पणी की थी। २७ मई को एक ऑनलाइन पोर्टल का सह स्वामी इस मामले को एक ट्वीट के जरिए उठाता है। इस ट्वीट पर देश के कथित लिबरल और अंतरराष्ट्रीय मुस्लिम बिरादरी उठ खड़ी होती है। २९ मई को रजा अकादमी मुंबई की शिकायत पर महाराष्ट्र पुलिस नूपुर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर लेती है। उसके तुंरत बाद से नूपुर को फोन पर सिर तन से जुदा करने से लेकर बलात्कार की धमकियां मिलनी शुरू हो जाती है। नूपुर शर्मा महिला आयोग से इसकी शिकायत करती हैं। २८ मई को दिल्ली पुलिस के पास सैकड़ों ई-मेल और आवेदन आते हैं कि मुकदमा दर्ज कर नूपुर को गिरफ्तार किया जाए। ...और एफआईआर दर्ज भी हो जाती है। ०१ जून को एआईएमआईएम के नेता असुद्दीन ओवैसी के कहने पर हैदराबाद में भी नूपुर शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज होती है।

नूपुर शर्मा ०५ जून को अपने वक्तव्य पर माफी मांगती हैं। उसके बावजूद भाजपा उसे निलंबित

कर देती है। लिबरल्स और कानून इसे नाकाफी समझता है। समझने की जरूरत है कि जो लोग देश में असहिष्णुता का माहौल कह कर भारत की छवि एक कट्टर देश के रूप में बनाने में लगे हैं वे नूपुर शर्मा के प्रति कितने सहिष्णु हैं और कितने उदार। औरंगाबाद से ओवैसी के सांसद इम्तियाज जलील की उदारता देखिए। कहते हैं- इस्लाम शांति का मजहब है, लेकिन लोग गुस्से में हैं, इसलिए मांग करता हूं कि नूपुर शर्मा को फांसी दे देनी चाहिए। क्या किसी ने बैरिस्टर ओवैसी से पूछा कि उन्होंने इम्तियाज का क्या किया। कुछ बेहूदे लोग प्रचार कर रहे हैं कि कांग्रेस शासित राजस्थान के उदयपुर में कन्हैया लाल का गला धड़ से अलग कर देने वाले भाजपा की हेट की राजनीति की उपज हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री और आरएसएस को इस हत्याकांड के लिए जिम्मेदार बता दिया लेकिन खुद को कांग्रेस का समर्थक कहलाने वाली ज्योत्सना धनकड़ गुलिया के नूपुर शर्मा के बारे में इस ट्वीट पर कि ये रांड (नूपुर शर्मा) मर जाती इससे अच्छा तो, पर किसी कांग्रेस के नेता के मन में भारत की सभ्यता नहीं जगी। यही ज्योत्सना पहले से ही प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री स्मृति के बारे में खुलेआम गालियां देती रही है। किसी ने किसी कोर्ट को नहीं बताया कि पैगंबर की तौहीन जिस तारीख को नूपुर ने की, उसके महीने भर पहले से रोज ही किसी न किसी द्वारा ज्ञानवापी मस्जिद के तहखाने में मिले कथित शिवलिंग के आकार को लेकर सरेआम मीडिया पर मजाक उड़ाया गया। ओवैसी के ही एक नेता सरेआम टीवी पर यह कहते सुनाई दिए कि ज्ञापवापी से जो शिवलिंग मिला है बताओ किसी पुरुष या महापुरुष के लिंग का घाट ऐसा होता है। किसी सलमान हिंगवाने ने मसाला कूटने वाले पत्थर के खल मूसल की तस्वीर शेयर करते हुए कटाक्ष किया- आज मैं बाजार आया हूं इसे खरीदने, देख लो यह मिर्च मसाला कूटने वाली ओखली ही है ना। कहीं बाद में मेरे घर पर कब्जा न हो जाए। कवीश मिक्सी दिखाकर कर पोस्ट करती हैं- अम्मा कहती हैं इसे छुपा लो। एक मोहम्मद सैफुद्दीन सड़क के किनारे काले पत्थर की लगी रेलिंग का फोटो डाल कर कहते हैं- अगर यह सब हिंदुस्तान (आशय हिंदू राज्य से) में होता तो वाजिब उल मंदिर हो जाता। अंधभक्ति की कोई सीमा होती है। हर चीज में शिवलिंग ही तुम्हें दिखता है। एक शादाब चौहान इसी तरह की सफेद पत्थर की रेलिंग को दिखा कर कहते हैं- जज साब कैन सील दिस एरिया, व्हेन समऑन क्लेम इट एज शिवलिंग। ऐसे हजारों पोस्ट ज्ञानव्यापी के नाम मिले जाएंगे। क्या वे कहीं से भाईचारा बिगाड़ने के जिम्मेदार नहीं हैं।

भाईचारा कौन कितना बढ़ाता है और कितना बिगाड़ता है इसकी एक नहीं कई बानगी हैं। उदाहरण जाहिलों के नहीं, पढ़े-लिखों के भी हैं। देश में मुस्लिमों को दबाने और भाजपा के शासनकाल में भेदभाव होने का सबसे ज्यादा आरोप लगाने वाले मुस्लिम नेता ओवैसी और उनके भाई का भाषण क्या नहीं सुना किसी ने। औरंगाबाद का एक मौलवी सितंबर २०१९ में अपनी तकरीर में कहता है कि मुसलमानों के लिए किसी और धर्म के लिए विश करना या उनका बनाया खास खाना भी हराम है। उत्तर प्रदेश का मौलाना जरजिस अंसारी खुले मंच से कहता है कि भगवान कृष्ण भी इस्लाम के समर्थक थे। उन्होंने अर्जुन को पांच वक्त की नमाज पढ़ने का हुक्म दिया था। यही मौलवी प्रधानमंत्री मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को ललकारते हुए कहता है कि हम मुसलमान भारत से नहीं भागेंगे, भागोगे तुम। फिर कहता है कि हमारे पास विकल्प जेहाद का है- मुसलमान तलवार उठाएगा।

आज नूपुर को कहा जा रहा है कि उसके कारण देश की एकता खतरे में पड़ गई है। क्या कोई दो साल पहले जनवरी २०२० में शाहीन बाग का धरना और वहां का भाषण याद करना चाहेगा, जहां कहा गया था कि यदि मुसलमानों को अपनी बात कहने और मनवाने का हक नहीं मिलता तो मुसलमान आइडिया ऑफ इंडिया को रिजेक्ट कर देंगे। क्या कोई यूपी के बड़े नेता आजम खान से कोई पूछेगा कि उन्होंने सेना को हिंदू-मुसलमान में बांट कर यह क्यों कहा कि कारगिल में हिंदू सैनिकों ने नहीं मुसलमान सैनिकों ने भारत को जीत दिलाई। क्या कोई ओवैसी से पूछेगा कि उन्होंने हिंदुओं को बच्चा पैदा करने की शक्ति को लेकर यह क्यों कहा- 'माशा अल्लाह हमारी जनसंख्या पर आरएसएस परेशान है। विश्व हिंदू परिषद की धर्म संसद में कहा गया कि चार- चार बच्चा पैदा करो। खुद एक भी पैदा नहीं करते। अच्छा नहीं कर सकते तो औरंगाबाद में एक पान की दुकान है सारा पान शॉप। सारा का पान खाओ और टन टना फायदा होगा।' ओवैसी इसी तरह से भाईचारा बढ़ाते हैं। वे किसी की भावना को ठेस नहीं पहुंचाते। कौन भूल गया अकबरूद्दीन ओवैसी की वह बात कि मुसलमान २५ करोड़ हैं और हिंदू १०० करोड़। १५ मिनट के लिए पुलिस को हटा लो बता देंगे किसमें हिम्मत है।

तीन जून को तमिलनाडु में डीवीके, वीसीके और सीपीआई एक जुलूस निकालकर भगवान कृष्ण को रेपिस्ट बताते हैं और भगवान अयप्पा की पूजा का मजाक उड़ाते हैं और वहां की डीएमके की सरकार कुछ नहीं करती। कोई अदालत इसका संज्ञान लेती है क्या? नहीं लेती। तो हमारे बुद्धिजीवियों की तरह अदालत भी मानती है कि दूसरे मजहब, पूजा पद्धति या पीर पैगम्बर के प्रति सम्मान या संयम सिर्फ हिंदुओं को रखना है, बाकी सभी को हिंदुत्व या हिंदू देवी-देवताओं के प्रति असहिष्णु होने और अपमान करने का अधिकार है। (लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गीता परिपूर्ण व्यवस्थित दर्शन

हृदय नारायण दीक्षित

आनंद का उपकरण ज्ञान है। ज्ञान वस्तु या पदार्थ नहीं है। इसका कोई रूप आकार भी नहीं है। ज्ञान से ही प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष को देखा जाना संभव है। ज्ञान देखा नहीं जा सकता। ज्ञान दिखाई पड़ता है। ज्ञान प्राप्ति पर सबका अधिकार है लेकिन पूर्व मीमांसा दर्शन के व्याख्याता आचार्य जैमिनि मधुविद्या प्राप्ति का अधिकार देवताओं को नहीं देते। ब्रह्मसूत्र (१.३.३१) में इसका उल्लेख है। छान्दोग्य उपनिषद् के तीसरे अध्याय में पहले खंड से ११वे खंड तक मधुविद्या की चर्चा है। यहां सूर्य को देवों का मधु कहा गया है। साधन और परिश्रम से प्राप्त होने वाली वस्तु देवों को सहज उपलब्ध होती है। इसलिए देवताओं के लिए मधुविद्या अनावश्यक है। जैमिनि एक और तर्क भी देते हैं- 'देवता ज्योतिर्मय लोकों में रहते है। इन प्रकाशमान लोकों में सब कुछ सहज प्राप्त है। श्रेष्ठ लोकों की प्राप्ति के लिए उन्हें कर्म करने की जरूरत नहीं।' (१.३.३२) गीता प्रेस गोरखपुर से प्रकाशित वेदान्त दर्शन (ब्रह्मसूत्र) के उक्त सूत्र के अनुवाद में कहा गया है- 'जिस प्रकार वेद विहित अन्य विद्याओं में देवों का अधिकार नहीं है, उसी प्रकार ब्रह्म विद्या में भी नहीं है।'

मधुविद्या ब्रह्म विद्या है। जैमिनि के मत में देवों को ब्रह्म विद्या का अधिकार नहीं है। लेकिन बादरायण का मत भिन्न है। कहते हैं- 'पूर्व पक्ष का मत शब्द प्रमाण से रहित होने के कारण मान्य नहीं हैं। यज्ञादि कर्म व ब्रह्म विद्या में देवताओ का भी अधिकार है। वेद में उनका अधिकार सूचित करने वाले अनेक वचन हैं।' उन्होंने तैत्तिरीय ब्राह्मण (२.१.२.८) से उद्धरण दिए हैं- 'प्रजापति ने इच्छा की कि मै उत्पन्न होऊं, जन्म लूं। उन्होंने अग्निहोत्र रूप मिथुन पर दृष्टिपात किया। सूर्योदय होने पर उसका हवन किया। देवताओं ने यज्ञ का अनुष्ठान किया। इन कथनों से देवताओं का कर्म अधिकार सूचित होता है।' यहां कर्मकांड में देवों के अधिकार की बात है। आगे ब्रह्म विद्या के अधिकार वाले कथन भी हैं। वृहदारण्यक उपनिषद् (१.४.१०) में कहते हैं-'तद यो देवानां प्रत्यबुद्धत स एव तद्भवत्' मतलब जिन देवताओं ने ब्रह्म जाना, वह ब्रह्म हो गया। बड़ी बात है कि ब्रह्मसूत्र के रचनाकाल में देवों के अधिकार पर भी बहस थी। देव प्रत्यक्ष नहीं है लेकिन ब्रह्म विद्या के अधिकार शोध के विषय थे। ऋषि ने संभवत: श्रेष्ठ मनुष्यों को देव कहा है। मनुष्य शरीरी होते हैं। उनका रूप आकार होता है। यज्ञ करते हैं। वे परिश्रमपूर्वक ज्ञान प्राप्त करते हैं। देवता शरीर रहित हैं, वे मनुष्य की तरह कर्म नहीं कर सकते। इसलिए जैमिनी ने उन्हे कर्म व ब्रह्मविद्या से पृथक माना है।

पुरोहितों के एक वर्ग द्वारा शूद्र वर्ण को विद्याधिकारी नहीं माना जाता था। देवों के लिए ब्रह्म विद्या व कर्म के अधिकार पर विमर्श चल रहे थे। प्रश्न है कि शूद्र के लिए सूत्रकार का अभिमत क्या था? क्या सभी मनुष्यों को ब्रह्मविद्या प्राप्त करने का अधिकार था? वैदिककाल में वर्ण विभाजन नहीं था। उत्तर वैदिककाल में वर्ण व्यवस्था का विकास हो रहा था। ब्रह्म सूत्र (१.३.३४) में छान्दोग्य उपनिषद की एक कथा का संक्षिप्त उल्लेख है- 'आकाश मार्ग से उड़ते हंसों ने राजा जानश्रुति के यश कर्म को गाड़ीवान रैक्व से कमतर बताया। वह शोक से व्याकुल रैक्व के पास ज्ञान लेने के लिए दौड़ते पहुंचा। धन संपदा भी ले गया था। रैक्व ने उसे शूद्र कहा।' इसकी व्याख्या में कहते हैं कि 'वह शोक से व्याकुल होकर दौड़ा आया था इसलिए उसे शूद्र कहा।' व्याख्याकार ने पाद टिप्पणी में लिखा है- 'शुचम आद्रवति इति शूद्र: - जो शोक के पीछे दौड़ता है वह शूद्र है।' शूद्र शब्द आहतकारी है। कभी वर्णव्यवस्था का एक वर्ग रहा होगा। ब्रह्म सूत्र के रचनाकाल में भी यह वर्ण या वर्ग चर्चा में था लेकिन इसकी सर्वमान्य परिभाषा नहीं थी। शोकग्रस्त सब होते हैं। शोक वर्ण देख कर नहीं आता। शोक मनोदशा है। विपरीत परिस्थिति में संयम और धैर्य काम आते है। जो संयम और धैर्य खो देते हैं वे शोकग्रस्त होते हैं।

गीता अध्याय (२.१९) में इसी तरह पंडित की परिभाषा है-'जो शोक के योग्य नहीं है। अर्जुन तुम उनके लिए शोक करते हो। पंडित जीवित या मृत के लिए शोक नहीं करते- गतासून गतासूश्च नानुशोचन्ति पण्डित:।' वर्ण व्यवस्था में पंडित ब्राह्मण वर्ण का पर्यायवाची है लेकिन गीता में शोक न करने वाला पंडित है और जो अनावश्यक शोक करते है वे ब्रह्मसूत्र के जानश्रुति प्रकरण के अनुसार शूद्र हैं। गीता में डर और कायरता भी त्याज्य है। गीता (अध्याय २.३) में कहते हैं- 'अर्जुन हृदय की क्षुद्रता दुर्बलता त्याग दो। कायर न बनो - क्लैव्यं मा स्म गम: पार्थ। ज्ञान मनुष्य

को दुखरहित करता है। इसलिए प्राचीन वांग्मय में ज्ञान की प्रतिष्ठा है। गीता, उपनिषद और ब्रह्मसूत्र को ज्ञान यात्रा का प्रस्थानत्रयी कहा गया है। गीता परिपूर्ण व्यवस्थित दर्शन है। इसमें कर्म की मीमांसा है और ज्ञान की भी। इसमे वैदिक दर्शन व उपनिषदों का ब्रह्म है। ब्रह्म सूत्र का ब्रह्म भी है। गीता (४.२४) में सर्वत्र ब्रह्म की प्रतिष्ठा है, 'ब्रह्मार्पण ब्रह्म हर्विब्रह्माग्नौ ब्रह्माणांहुतम - ब्रह्मयज्ञ कर्ता है, ब्रह्म हवि है। ब्रह्म ही आहुति देता है।' यहां ब्रह्म ही यत्र तत्र सर्वत्र उपस्थित है। उपनिषदों में ब्रह्म की यही उपस्थिति है। लेकिन ब्रह्मसूचक अन्य संज्ञाए हैं। ब्रह्म सूत्र में सब को ब्रह्म सिद्ध किया गया है।

जीवन सरल रेखा में नहीं चलता। एक व्यक्ति का भी जीवन निरपेक्ष नहीं है। व्यक्ति अस्तित्व का हिस्सा है। व्यक्ति के सुख-दुख निजी दिखाई पड़ते हैं। अनेक मामलों में वे व्यक्ति के कर्म फल जान पड़ते हैं लेकिन वास्तव में वे उसी व्यक्ति के कर्म का परिणाम नहीं होते। प्रकृति की तमाम शक्तियां जीवन पर प्रभाव डालती रहती हैं। मनुष्य सुखद परिणामों का श्रेय लेता है। और दुखद परिणामों के लिए स्वयं को दोषी ठहराता है। लेकिन परिणाम प्रकृति की शक्तियों के अधीन होते हैं। गीता के १३वें अध्याय में परिणाम संबंधी एक सुंदर श्लोक है। कहा गया है- 'अर्जुन ने कृष्ण से कार्य सिद्धि के कारण पूछे। श्री कृष्ण ने बताया कि कार्य सिद्धि के लिए ५ कारण उत्तरदायी है। वे अधिष्ठान, कर्ता, कर्म, प्रयास और दैव हैं। गीता दर्शन के अनुसार ये ५ कारण सिद्ध होने से सुंदर परिणाम आते है। इस श्लोक में ५वां तत्व दैव है। दैव का अर्थ कुछ विद्वानों ने ईश्वर किया है। लेकिन यह सही नहीं है। ईश्वर सर्वोच्च है। इस सूची में वह ५ में से १ है। इसलिए दैव का अर्थ ईश्वर करना उचित नहीं है। प्रकृति में हर समय कुछ न कुछ घटित होता रहता है। हम किसी परिश्रमी छात्र का उदाहरण दे सकते हैं। उसने ठीक पढ़ाई की। लेकिन परीक्षा वाले दिन रास्ते में आंधी आ गई। उसका पर्चा खराब हो गया। सब बातें ठीक थी। प्राकृतिक आपदा ने उसका पर्चा खराब कर दिया। यही है दैव। जीवन में सफलता और असफलता साथ-साथ चलते है। पूरी बात को जानने वाले दुख में दुखी नहीं होते। सुख में सुखी नहीं होते। इसके लिए अस्तित्व का ज्ञान चाहिए और उससे भी ज्यादा स्वयं अपना ज्ञान। स्वयं का बोध महत्वपूर्ण है। गीता में इसे अध्यात्म कहा गया है। उपनिषद के ऋषियों ने भी यही बातें कही हैं। ज्ञान पवित्र है, उपास्य है, धारण किए जाने योग्य है। (लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर। इस साल अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है जबकि 40 हजार से अधिक श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यात्रा के चंदनवाड़ी-शेषनाग मार्ग से वीरेंद्र गुप्ता नाम का एक तीर्थयात्री लापता हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पांच में से तीन लोगों की मौत हृदय गति रुक जाने के कारण हुई। दिल्ली के जय प्रकाश की चंदनवाड़ी में मौत हो गयी, बरेली के देवेंद्र तायल (53) की निचली गुफा में और बिहार के लिपो शर्मा (40) की काजीगुंड कैंप में मौत हो गई। महाराष्ट्र के जगन्नाथ (61) की पिस्सू टॉप में अन्य स्वास्थ्य कारणों की वजह से मौत हो गयी जबकि राजस्थान केआशु सिंह (46) की एमजी टॉप पर घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह 10 बजे तक 40,233 तीर्थयात्री गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन कर पूजा अर्चना कर चुके हैं। वार्षिक 43-दिवसीय अमरनाथ यात्रा 30 जून को दोनों आधार शिविरों - दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में बालटाल मार्ग से शुरू हुई। यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

लश्कर के दो आतंकवादियों को ग्रामीणों ने दबोचा, पुलिस को सौंपा

जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को ग्रामीणों ने भारी हथियारों से लैस लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादियों, जिनमें एक 'मोस्ट वांटेड' कमांडर भी शामिल था, को काबू में कर पुलिस को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि राजौरी जिले के निवासी लश्कर कमांडर तालिब हुसैन और जिले में हाल में हुए आईईडी विस्फोटों के मास्टरमाइंड तथा दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के आतंकवादी फैजल अहमद डार को तुकसन गांव में पकड़ लिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों के पास से दो एके राइफल, सात ग्रेनेड और एक पिस्तौल बरामद किये गये हैं। पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने ग्रामीणों को उनकी बहादुरी के लिए दो लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की।

बम की बात सुनते ही केरल एयरपोर्ट पर मच गया हड़कंप

कन्नूर । केरल के कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ऐसा मामला सामने आया है जहां एक शब्द का इस्तेमाल करना दंपति को भारी पड़ गया। ये शब्द था बम। दरअसल, 63 साल का शख्स पत्नी के साथ कोच्चि एयरपोर्ट से विदेश जा रहा था। दोनों जैसे ही चेक-इन करने पहुंचे तो उन्हें वहीं रोक दिया गया और फ्लाइट में नहीं बैठने दिया गया। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक बुजुर्ग पति-पत्नी शनिवार दोपहर के बाद हवाईअड्डे पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही चेक-इन काउंटर पर कर्मचारियों ने दंपती से पूछा कि उनके सामान में क्या है? नाराज होकर पति ने कहा बम। यह सुनते ही हड़कंप मच गया और आनन-फानन में एयरपोर्ट की सिक्योरिटी को सूचित किया गया। इसके बाद बुजुर्ग को स्थानीय थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन उनको बाद में थाने की जमानत पर रिहा कर दिया गया और आगे से ऐसा न करने की हिदायत भी दी है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अहम खुलासा: गैंगस्टरों को पनाह देने वाला पूर्व अकाली मंत्री का भतीजा

लुधियाना । सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शूटरों को हथियार सप्लाई करने के आरोप में पकड़े गए सतबीर सिंह ने कई अहम खुलासे किए हैं। पूछताछ के दौरान सामने आया है कि सतबीर सिंह सिर्फ संदीप काहलों को जानता था। संदीप काहलों बी.डी.पी.ओ. की पोस्ट पर है जोकि पूर्व अकाली मंत्री का भतीजा है। मनदीप सिंह उर्फ तूफान और मनप्रीत सिंह उर्फ रईया दोनों ही अपने एक अन्य साथी के साथ संदीप काहलों की कोठी पर ठहरे हुए थे। पता चला है कि संदीप ने ही सतबीर सिंह को मनदीप, मनप्रीत और उसके तीसरे साथी को बठिंडा छोड़ने के लिए कहा था। सतबीर को यह भी पता नहीं था कि उसके साथ बैठे युवक शूटर हैं। वे शूटर जग्गू भगवानपुरिया के राइट हैंड माने जाते हैं जो कि जग्गू के इशारे पर ही काम करते थे। अब पुलिस संदीप सिंह काहलों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस टीमों ने संदीप के घर पर भी छापेमारी की थी मगर वह फरार चल रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि संदीप के पकड़े जाने के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। सतबीर सिंह को पकड़ने के बाद जब बी.डी.पी.ओ. संदीप काहलों का नाम सामने आया तो पुलिस प्रशासन ने उसे पकड़ने की योजना बनाई थी। उच्चाधिकारियों से बात कर उन्होंने सभी बी.डी.पी.ओ.की बैठक बुलाई थी लेकिन तब तक संदीप सतर्क हो चुका था। वह सरकार द्वारा बुलाई गई बैठक में भी शामिल नहीं हुआ था इसलिए वह पुलिस के हाथ से निकल गया।

अग्निपथ योजना के खिलाफ दिल्ली विधानसभा में पेश किया जा सकता है प्रस्ताव

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार आगामी विधानसभा सत्र के दौरान केंद्र की अग्निपथ रक्षा भर्ती योजना के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने बृहस्पतिवार को विवादास्पद योजना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया था। केंद्र सरकार द्वारा 14 जून को घोषित की गई इस योजना को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। सूत्रों ने कहा, दिल्ली विधानसभा में ऐसा प्रस्ताव लाए जाने और उसपर चर्चा होने की संभावना है। दिल्ली विधानसभा का दो-दिवसीय सत्र चार जुलाई से शुरू होगा।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बोले, जम्मू कश्मीर में मतदाता सूची में संशोधन के बाद होंगे चुनाव

श्रीनगर। लोकतंत्र को भारत की आत्मा बताते हुए जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में निश्चित रूप से चुनाव होंगे और राज्य का दर्जा ''उचित समय'' पर बहाल होगा। सिन्हा ने यह टिप्पणी शनिवार देर रात यहां एक कार्यक्रम में की, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने विधानसभा चुनाव कराने और जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई। पूर्ववर्ती राज्य में योगदान के लिए सिंह को सम्मानित करने के मकसद से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सिन्हा ने कहा, ''लोकतंत्र भारत की आत्मा है। लोकतंत्र और भारत एक दूसरे के पर्याय हैं। प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्री ने संसद में कई बार कहा है कि चुनाव (जम्मू कश्मीर में) होंगे।'' उपराज्यपाल ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और मतदाता सूची में संशोधन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, इसके बाद निश्चित तौर पर चुनाव होंगे। जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का जिक्र करते हुए सिन्हा ने कहा, ''कई बार यह भी कहा गया है कि (पहले) परिसीमन, फिर चुनाव, फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल होगा। मुझे नहीं लगता कि इसमें शक की कोई गुंजाइश है।'' केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था।

हरियाणा: फ्लाईओवर पर बड़ा हादसा- दौड़ रहे 5 युवकों को कार ने रौंदा, 2 की मौत, तीन गंभीर

पलवल । हरियाणा के पलवल में फ्लाईओवर पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां सुबह केजीपी फ्लाईओवर पर साइड में दौड़ लगा रहे पांच युवकों को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। कार के चालक के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने कहा है कि मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है। मरने वाले लड़के पेलक गांव के रहने वाले हैं। वे गांव के ही दोस्तों के साथ रोजाना दौड़ने के लिए जाते थे। घटना के बाद पेलक गांव में मातम का माहौल है। इससे पहले यूपी के गाजियाबाद में बुधवार देर रात तेज रफ्तार दो बाइक सवारों ने फ्लाईओवर पर एक सफाईकर्मी को जोरदार टक्कर मार दी थी। इससे तीनों फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे। पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां सभी की मौत हो गई थी।

गुजरात दंगा से लेकर नॉर्थ ईस्ट की समस्या तक सभी पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोले शाह,

देश में अगले 30-40 साल बीजेपी ही रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी के चाणक्य, चुनावी रणनीतिकार, मास्टरमाइंड जैसे विशेषणों से नवाजे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी को लेकर ऐसा बयान दिया है जिसे सुनकर विपक्ष के होश फाख्ता हो जाएंगे। अमित शाह ने कहा है कि आने वाले 30 से 40 सालों तक उनकी पार्टी यानी बीजेपी का युग रहेगा। उन्होंने कहा कि तीन चार दशकों में भारत एक विश्व गुरु बनेगा। हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव पेश करते हुए शाह ने गुजरात दंगा से लेकर नॉर्थ ईस्ट की समस्या तक सभी विषयों पर अपने विचार रखे।

30-40 सालों तक बीजेपी का युग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगले 30-40 साल तक भाजपा का युग रहेगा और भारत 'विश्वगुरु' बनेगा। राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के दौरान पारित राजनीतिक प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए शाह ने विपक्षी दलों को बिखरा हुआ बताया और कांग्रेस पर करारा हमला करते हुए कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए उसके ही सदस्य लड़ रहे है लेकिन ''गांधी परिवार'' डर के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं करा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 30-40 साल तक उनकी पार्टी भाजपा का युग रहेगा तथा भारत 'विश्वगुरु' बनेगा।

गुजरात दंगों पर रट का फैसला ऐतिहासिक

शाह ने गुजरात दंगों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि सभी आरोपों को सुप्रीम कोर्ट ने झूठा करार दिया और अदालत ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया। एचएम ने कहा कि आज विपक्ष बंटा हुआ है। कांग्रेस सदस्य पार्टी में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन डर के मारे पार्टी अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस को 'मोदी फोबिया' है।

2024 तक पूर्वोत्तर के सभी मुद्दों का समाधान

अमित शाह, जिन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए कई कदम उठाए, ने रविवार को कहा कि भाजपा को इस क्षेत्र में एक ÷स्थायी पता÷ मिल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में और कोई समस्या नहीं होगी और 2024 तक इसके सभी मुद्दों का समाधान कर दिया जाएगा।

असम में बाढ़ का कोहराम, 22.17 लाख से अधिक लोग फंसे, मरने वालों संख्या 174 तक पहुंची

गुवाहाटी । पूर्वोत्तर राज्य असम में भारी बारिश ने कोहराम मचा रखा है यहां के 35 जिलों में से 27 में 22.17 लाख से अधिक लोग अभी भी फंसे हुए हैं, जिसमें भूस्खलन के साथ-साथ अब तक 174 लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों ने कहा कि अप्रैल से अब तक 156 लोगों ने प्री-मानसून और मानसून बाढ़ में अपनी जान गंवा दी, जबकि असम के विभिन्न जिलों में भूस्खलन में 18 अन्य लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि 27 जिलों के 1,934 गांवों में 50,714 हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र अभी भी जलमग्न है, जबकि राज्य में लगातार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है। 2.77 लाख से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने 404 राहत शिविरों में शरण ली है और जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करने के बाद, दो अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों (आईएमसीटी) ने शनिवार को मुख्य सचिव जिष्णु बरुआ और असम सरकार के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल , राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

भाजपा कर रही है 'रचनात्मक' राजनीति, विपक्षी दलों की भूमिका 'विनाशकारी': नड्डा

हैदराबाद (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और पार्टी शासित राज्यों की सरकारें जहां ''रचनात्मक'' राजनीति कर रही हैं, वहीं ''भष्ट्राचार और वंशवाद'' की राजनीति करने वाले विपक्षी दल राष्ट्र को सशक्त करने वाली योजनाओं में बाधा उत्पन्न कर और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदमों पर सवाल उठाकर ''विनाशकारी'' राजनीति कर रहे हैं। नड्डा ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

अध्यक्षीय भाषण पर पार्टी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, नड्डा ने विपक्षी दलों पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार और ''थोथी राजनीति'' कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा शासित राज्यों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर विकास की राजनीति हो रही है, जबकि विपक्ष शासित राज्य में तुष्टीकरण की घोर पराकाष्ठा की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, ''जहां एक ओर भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम गढ़ रहा है, वहीं विपक्ष का व्यवहार अत्यंत ही गैर-जिम्मेदाराना रहा है। विपक्ष तर्कविहीन थोथी राजनीति कर देश की जनता को गुमराह कर रहा है।''उन्होंने कहा कि विपक्ष ने टीकों और टीकाकरण, कृषि सुधार कानूनों, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक, लद्दाख व डोकलाम के मुद्दों तथा राफेल लड़ाकू विमान पर भी जनता को गुमराह किया। उन्होंने कहा, ''देशहित के लिए जरूरी सुधारों को अटकाना, लटकाना और भटकाना ही विपक्ष का उद्देश्य रह गया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि भाजपा और प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते विपक्ष अब देश के विरोध पर उतारू हो गया है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इसके विपरीत भाजपा शासित राज्यों में गरीबों के सबसे अधिक मकान बनाने,ग्राम विकास में सबसे आगे रहने, सड़कें बनाने, गरीबों तक राशन पहुंचाने जैसे विकास के मुद्दों पर प्रतिस्पर्धा हो रही है तो विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में इस बात की प्रतिस्पर्धा है कि तुष्टीकरण की राजनीति में कौन आगे है, गरीबों का राशन लूटने में कौन सबसे अधिक आगे है, भ्रष्टाचार में कौन सबसे आगे है और परिवारवाद की राजनीति में कौन सबसे आगे है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति ख़त्म हुई है और विकासवाद, राजनीति का केंद्र बिंदु बना है। उन्होंने कहा, ''उनके नेतृत्व में देश की राजनैतिक कार्य संस्कृति भी बदली है। मोदी सरकार अति सक्रिय, अति जवाबदेह और गरीब-हितैषी सरकार है, जो जनसेवा के लिए सतत कटिबद्ध रहती है। प्रधानमंत्री ने देश के लोकतंत्र में 'पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस' और विकासवाद के सिद्धांत को स्थापित किया है।''

इससे पहले, अध्यक्षीय भाषण के प्रमुख अंशों से पत्रकारों को अवगत कराते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, ''एक तरफ भाजपा सरकारें रचनात्मक राजनीति कर रही हैं और राष्ट्र निर्माण को समर्पित हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष की सतत कोशिश राष्ट्र को गुमराह करने की है।'' ईरानी के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल, केरल और जम्मू कश्मीर में पार्टी के कार्यकर्ताओं की हत्या का उल्लेख किया और उनके बलिदान को नमन किया। नड्डा ने अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के आठ वर्षों के दौरान किए गए कार्यों, खासकर गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जमकर सराहना की।

नुपूर शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी केवल मौखिक है, कोई लिखित फैसला नहीं : किरेन रिजिजू

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा की निलंबित नेता और पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पैंगबर मोहम्मद वाले बयान पर एक बार फिर माहौल गर्मा गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी वजह से देश में हिंसक घटनाएं हुईं और उदयपुर हत्याकांड के लिए भी वही जिम्मेदार हैं। इस मामले पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू का बयान सामने आया है। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने शीर्ष अदालत की टिप्पणी को लेकर कहा कि इस मामले की चर्चा उचित प्लेटफॉर्म पर की जाएगी। हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने पहुंचे रिजिजू ने कहा कि एक कानून मंत्री के रूप में मेरे लिए सुप्रीम कोर्ट की बेंच की ओर से नूपुर शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर कुछ कहना उचित नहीं है।

इसके साथ ही रिजिजू ने कहा कि शीर्ष अदालत ने नूपुर शर्मा के बारे में जो कुछ भी कहा है, वह सिर्फ एक मौखिक टिप्पणी है। यह लिखित फैसला नहीं है। इसलिए टिप्पणी अनावश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी से निलंबित नेता नुपूर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ 'व्यथित करने वाली' टिप्पणी को लेकर उन्हें शुक्रवार को फटकार लगाते हुए कहा कि इस बयान के कारण देश भर में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं और इसने लोगों की भावनाओं को भड़काया।

विपक्षी खेमे ने एक साथ शीर्ष अदालत की टिप्पणी का इस्तेमाल करते हुए भाजपा की आलोचना की है। कांग्रेस के महासचिवों में से एक जयराम रमेश ने कहा, शीर्ष अदालत ने सही कहा है कि इस प्रकरण में भावनाएं भड़काने के लिए सिर्फ नुपुर जिम्मेदार हैं तथा ऐसे में भाजपा का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। तृणमूल (टीएमसी) ने ट्वीट किया कि यह शर्म की बात है कि नूपुर शर्मा को अमित शाह और दिल्ली पुलिस द्वारा कवर किया जा रहा है। बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ने कहा, %शीर्ष अदालत ने कहा है कि पूरे देश में आग लगाने के लिए नूपुर शर्मा ही जिम्मेदार हैं।

अमरिंदर सिंह के बीजेपी जॉइन करने से बढ़ सकती हैं कांग्रेस की मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर लेते हैं, तो कांग्रेस के लिए अपने विधायकों और सांसदों को एकजुट रखना आसान नहीं होगा। वहीं, प्रदेश संगठन भी कमजोर होगा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के बावजूद कांग्रेस 13 में से आठ सीट जीतने में कामयाब रही थी। केरल के बाद पार्टी के पंजाब और तमिलनाडु से सबसे ज्यादा आठ-आठ लोकसभा सांसद हैं। केरल से पार्टी के 15 लोकसभा सांसद हैं। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर के भाजपा में जाने के बाद कई सांसद भी पाला बदल सकते हैं। लोकसभा सांसद परनीत कौर कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं। इसके अलावा कई अन्य सांसद भी कैप्टन के भरोसेमंद माने जाते हैं। कई विधायकों से भी उनके अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में कैप्टन अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करते हैं, तो कुछ लोकसभा सांसद और विधायक हाथ छोड़ सकते हैं। ऐसा होता है तो आने वाले दिनों में कांग्रेस की चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस के भाजपा में विलय से पहले पार्टी के कई नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं। इनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी शामिल हैं। जाखड़ के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से भी अच्छे रिश्ते थे। पार्टी के एक नेता ने कहा, कैप्टन के जरिए भाजपा की नजर कांग्रेस के सांसद, विधायकों और वोटबैंक पर है।

उदयपुर और अमरावती की की घटना पर बोले केजरीवाल, देश में जो भी मौजूदा समय में हो रहा है वह ठीक नहीं

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि उंगली उठाने के बजाय सरकार व लोगों को मिलकर उस हालात को सामान्य करने के लिए काम करना चाहिए, जिसकी वजह से उदयपुर और अमरावती की हत्याएं हुईं। राजस्थान के उदयपुर में 28 जून को दर्जी कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी जबकि 21 जून को महाराष्ट्र के अमरावती में दवाविक्रेता (केमिस्ट) की हत्या कर दी गई। पुलिस का दावा है कि दोनों हत्याएं भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर दी गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का सोशल मीडिया पर समर्थन करने की वजह से की गई है। दोनों ही मामलों की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रही है। इन दोनों हत्याओं के बारे में पूछे जाने पर केजरीवाल ने कहा कि देश में जो भी मौजूदा समय में हो रहा है वह ठीक नहीं है और वह इनकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

उन्होंने कहा, ''इस तरह देश प्रगति नहीं कर सकता। देश में शांति की जरूरत है और सभी को एक साथ रहना चाहिए। मैंने कड़े शब्दों में इसकी निंदा की है और मैं दोबारा इसकी निंदा करता हूं। उम्मीद करता हूं कि आरोपियों को यथाशीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाएगी ताकि दूसरे इस तरह का अपराध करने की हिम्मत नहीं कर सके।'' जब उनसे पूछा गया कि वह इन घटनाओं के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं तो आप प्रमुख ने कहा, ''उंगली उठाने से कुछ नहीं होगा। जरूरत है कि सरकार और लोग हालात को सामान्य करने के लिए एक साथ आए।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं जहां पर इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि आप का गुजरात में इतने कम समय में विस्तार छोटी बात नहीं है। केजरीवाल ने दावा किया कि राज्य की जनता 27 साल के भाजपा शासन से उब चुकी है।''

केजरीवाल ने कहा, ''इस बार लोग आप को बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं। आज,करीब 7,500 (नव नियुक्त) आप पदाधिकारी शपथ लेंगे। कम समय में इतना विस्तार छोटी बात नहीं है।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''जनता 27 साल के भाजपा शासन से उब चुकी है। भाजपा मानती है कि कांग्रेस उसका विकल्प नहीं हो सकती है। यहां तक जनता ने जब पिछले चुनाव में कांग्रेस पर दोबारा भरोसा किया और उसके कई प्रत्याशियों को समर्थन दिया तब कई विधायक पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। इसलिए उसमें अहंकार है।'' केजरीवाल सोमवार को मुफ्त बिजली के वादे पर 'टाउनहॉल'का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा, ''आप को पूरा भरोसा है कि गुजरात में वह अगली सरकार बनाएगी।

बार-बार संक्रमण से प्रतिरोधक क्षमता होती है प्रभावित, लॉन्ग कोविड संभव : डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना के घातक वायरस का संक्रमण देश में फिर बढ़ रहा है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अधिकारी ने कहा कि यह सिद्धांत कि यदि कोई कोविड से संक्रमित लोगों की प्रतिरक्षा बढ़ती है और वह भविष्य में संक्रमण से लड़ सकते हैं यह पूरी तरह से सच नहीं हो सकता। डब्ल्यूएचओ के अधिकारी डेविड नाबरो ने कहा कि बार बार संक्रमण होने से इम्युनिटी कमजोर होने से लंबे समय तक संक्रमित बने रहने का खतरा बना रहता है। नाबरो ने कहा कि बार बार कोविड का संक्रमण होने से शरीर में प्रतिरक्षा नहीं बन पाती क्योंकि वायरस हमेशा ही अपना स्वरूप बदलता रहता है और इससे आप अधिक लंबे समय तक कोविड से संक्रमित रह सकते है।

उन्होंने कहा कि जितनी अधिक बार आप कोविड की चपेट में आएंगे उतनी अधिक संभावना है कि आप बदकिस्मत होंगे और संक्रमण पहले से अधिक दिनों तक आपको बीमार रख सकता है। ऐसी परिस्थिति का सामना हममें से कोई भी नहीं करना चाहता, क्योंकि यह बेहद गंभीर हो सकता है। यह आपके जीवन की रफ्तार को कई महीनों तक रोक सकता है। लॉन्ग कोविड को बीमारी की शुरुआत के चार सप्ताह या उससे अधिक समय के बाद सामने आने वाले लक्षणों के रूप में परिभाषित किया गया है। थकान आना, सांस की तकलीफ, एकाग्रता में कमी, जोड़ों में दर्द होना जैसे कई लक्षण लंबे समय तक कोविड के असर को दिखाते हैं। ये सभी लक्षण आपके दैनिक गतिविधियों पर भी प्रभाव डाल सकते हैं।

नाबरो ने इससे पहले कहा था कि कोरोना का संक्रमण अब ज्यादातर लोगों के लिए जानलेवा के बजाय एक असुविधा बन गया है। नाबरो ने ऐसे लोगों के लिए चिंता व्यक्त की है जो बुजुर्ग हैं और अस्वस्थ्य हैं या फिर किसी बड़ी बीमारी से पीड़ित हैं क्योंकि कोरोना का संक्रमण ऐसे लोगों को अधिक परेशान कर सकता है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी दुनिया के लिए चिंतित हूं क्योंकि मैं वास्तव में मानता हूं कि इस महामारी के दौर में बहुत कुछ सीखा गया है और अभी भी वायरस विकसित

हो रहा है। मैं उन व्यक्तियों के लिए चिंतित हूं जो बुजुर्ग हैं या फिर अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं। अभी खतरा टला नहीं हैं। मैं उन लोगों के लिए चिंतित हूं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है।

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्नलिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमश: 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्राय: बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.● मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें. ● रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें. ● उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

● उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें. ● बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें. ● किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.● उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें. ● फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें. ● सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें. ● रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें. ● समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अत: पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.

घर में मूर्तियां रखने से पहले जान लें ये परंपरा

घर और मंदिर में फर्क होता है और जो लोग घर में ही मंदिर बना लेते हैं उनके लिए कई नियम मान्य होते हैं जैसे कहां बनाना चाहिए, घर का कौन सा कोना पवित्र है वगैराह-वगैराह, लेकिन घर में मूर्तियां रखने के भी कुछ नियम होते हैं। शास्त्रों के अनुसार अगर मूर्ति की पूजा नहीं की जा सकती तो उसे घर में रखने की जरूरत नहीं है। ये नियम खास तौर से शिवलिंग पर लागू होता है।

शिवलिंग को लेकर ये भी नियम है कि एक से ज्यादा शिवलिंग घर में नहीं रखने चाहिए।

अगर ब्रह्मा-विष्णु-महेश की मूर्ति रखी जा रही है या फोटो है तो उसे बाकी देवताओं से ऊपर स्थान देना चाहिए।

एक ही भगवान की तीन मूर्तियां या तस्वीरें एक साथ घर में नहीं रखनी चाहिए ये गलत प्रभाव डालती हैं।

क्या कहते हैं शास्त्र..

ये सभी नियम और कायदे खास तौर पर वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाए गए हैं। अगर हम अन्य शास्त्रों की बात करें जैसे गीता में दान या उपहार के तीन प्रकार हैं (सात्विक, राजसिक और तामसिक) जिसमें से किसी में भी भगवान की मूर्ति दान या उपहार देने का कोई रिवाज नहीं है।

रिगवेद में ज्ञान को ही दान और उपहार माना गया है और इसे ही देने की बात कही गई है। मनुस्मृति में भूखे को खाना खिलाना (पुण्य के लिए), सरसों का दान (स्वास्थ्य के लिए), दिए या रौशनी का दान (समृद्धी के लिए), भूमि का दान (भूमि के लिए) और चांदी का दान (सौंदर्य के लिए) का वर्णन है, लेकिन भगवान की मूर्तियों का कहीं नहीं हैं।

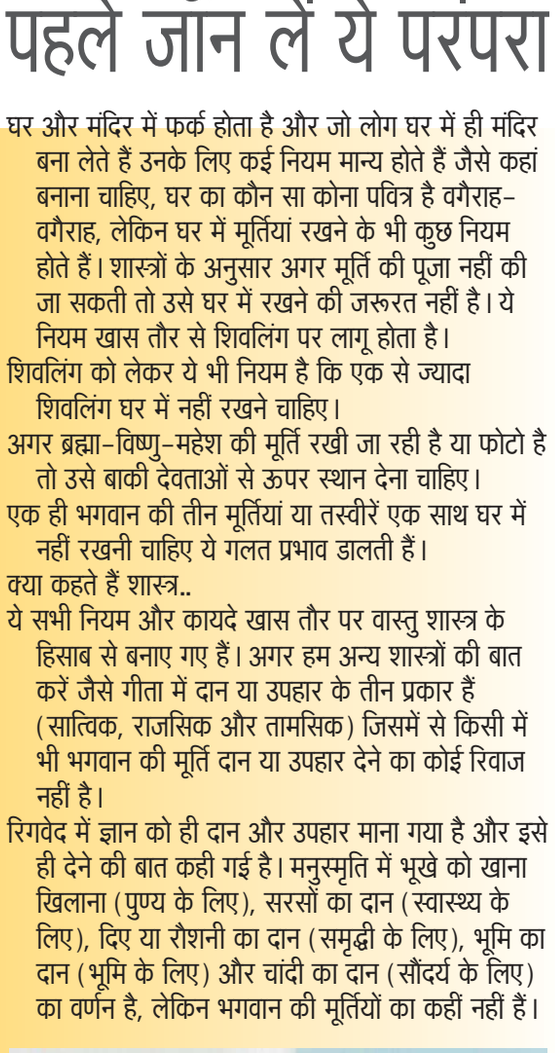

घर में फेंगशुई ऊंट रखें

अगर आप बुरे वक्त के दौर से गुजर रहे हैं, तो घर में फेंगशुई गैजेट ऊंट की स्थापना करें। यह आपको परेशानियों से निजात दिलाएगा। फेंगशुई के अनुसार ऊंट की स्थापना हमें आने वाली विपदा व दुर्भाग्य से भी बचाती है। जिस तरह यह जानवर विलक्षण क्षमताओं वाला है, उसी प्रकार फेंगशुई गैजेट के रूप में भी इसके प्रभाव विलक्षण हैं। ऊंट एकमात्र ऐसा जानवर है, जो विपरीत परिस्थितियों में कई दिनों तक बिना खाए-पीए रहकर भी अपने सवार को उसकी मंजिल तक पहुंचाने की क्षमता रखता है।

अगर आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है या परिवार के किसी सदस्य को बीमारी, दुर्घटना आदि का खतरा बना रहता है, तो यह गैजेट निश्चित रूप से उसके लिए सहायक साबित हो सकता है।

यही नहीं, हमारी आधी से अधिक चिंताओं और परेशानियों की वजह होती है आर्थिक समस्या। आपको अपने निवेश का उचित प्रतिफल मिले और आपके पास नगद की आवक बनी रहे, इसके लिए फेंगशुई ऊंट को घर के उत्तर-पश्चिम में स्थापित करना चाहिए।

कुछ विशेषज्ञों का ऐसा भी मानना है कि निवेश को सुरक्षित बनाने और उससे अधिकतम लाभ पाने के लिए ऊंट का जोड़ा स्थापित करना चाहिए।

अगर आपका पैसा कहीं फंसा हुआ है और वह आपको सही समय पर प्राप्त नहीं हो रहा है या आप नगदी की समस्या से जूझ रहे हैं तो डबल यानी दो कूब वाले ऊंटों के जोड़े को घर में स्थापित करें।

घर ही नहीं, आफिस में भी इसे स्थापित करना आर्थिक तरक्की दिलाता है। यह आपके व्यापार के रिस्क को कम करता है, आपके निवेश को सुरक्षित बनाता है तो चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी प्रदान करता है। घर की तरह ऑफिस में भी इसे उत्तर-पश्चिम दिशा में ही स्थापित करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी

10 जुलाई से 4 नवंबर तक सो जाएंगे देवता, नहीं होंगे मांगलिक कार्य

इस बार हरिशयनी देवशयनी एकादशी 10 जुलाई 2022, दिन रविवार को मनाई जा रही है। धार्मिक महत्व के अनुसार देवशयनी एकादशी के साथ ही 4 महीने के लिए भगवान श्री विष्णु शयनगार चले जाते है तथा सृष्टि का भार इन दिनों भगवान भोलेनाथ संभालते हैं। श्रीविष्णु के शयन काल के कारण ही इस समयावधि में शुभ मांगलिक कार्य, नूतन गृह प्रवेश, नई खरीददारी, जातकर्म संस्कार आदि बंद हो जाते हैं।

जब श्रीविष्णु अपनी निद्रा से जागते हैं यानी देवउठनी एकादशी से ही मांगलिक शुभ विवाह जैसे कार्यक्रम के आयोजन पुन- 4 माह बाद शुरू होंगे। देवशयनी एकादशी और चातुर्मास के दौरान धार्मिक कार्यक्रम अधिक शुरू हो जाते हैं तथा धर्मालुजन व्रत-उत्सवों के साथ 4 माह तक व्रत का संकल्प लेते हैं। चार्तुमास के इन दिनों में पापों का नाश करने तथा सौभाग्य और संतान के अच्छे जीवन के लिए धर्म-कर्म करते हैं। इन 4 महीने के दौरान अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, असत्य वचन आदि से बचना चाहिए।

देवशयनी एकादशी के संदर्भ में एक पौराणिक प्रसंग के अनुसार- राजा बलि परम वैष्णव भक्त था। उसने इंद्र को परास्त कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया था। भगवान श्रीविष्णु ने उससे युद्ध करना उचित न समझा और छलपूर्वक वामन रूप धारण करके उससे तीन पग भूमि मांग ली।

तब स्वर्ग लोक, मृत्यु लोक आदि नाप लिए और तीसरा पैर राजा के सिर पर रखा तथा इंद्र को राज्य लौटा कर राजा बलि को पाताल भेज दिया। इसी के उपरांत भगवान श्रीहरि ने चातुर्मास के लिए शयन किया। मान्यतानुसार जब भगवान श्रीविष्णु शयन करते हैं, तब मांगलिक कार्य के आयोजन नहीं होते हैं। इन 4 माहों तक धर्म-ध्यान ही होते हैं। इसमें खास तौर श्रावण में शिव उत्सव, भाद्रपद में श्रीमद्भागवत, आश्विन में श्राद्ध और देवी दुर्गा की आराधना होती है और फिर कार्तिक शुक्ल एकादशी को देव जागते हैं, तत्पश्चात मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।

अतः इस बार 10 जुलाई देवशयनी एकादशी से 4 नवंबर 2022 देव प्रबोधिनी एकादशी तक यानी श्रीहरि के शयन काल के दौरान मांगलिक कार्य नहीं होंगे।

आषाढ़ मास के सोमवार को मिश्री के शिवलिंग की पूजा से क्या होता है?

शिवपुराण अनुसार भगवान विष्णु ने पूरे जगत के सुख और कामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान विश्वकर्मा को अलग-अलग तरह के शिवलिंग बनाकर देवताओं को देने की आज्ञा दी। विश्वकर्मा ने अलग-अलग पदार्थो, धातु व रत्नों से शिवलिंग बनाए। जैसे पारद, मिश्री, जौ, चावल, भस्म, गुड़, फल फूल, स्वर्ण रजत, मिट्टी, दही, मक्खन, हीरे, मोती, मणि, मूंगा, नाग, पार्थिव, तांबा, इंद्रनील, पुखराज, पद्मराग, पीतल, लहसुनिया, रत्न, चंदन, स्फटिक आदि से शिवलिंग बनाए गए।

सभी शिवलिंग के नाम भी अलग-अलग दिए गए और सभी का प्रभाव भी अलग-अलग बताया गया। आओ जानते हैं कि आषाढ़ मास में मिश्री के शिवलिंग की पूजा करने के क्या लाभ हैं।

मिश्री शिवलिंग

1. चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है।
2. कहते हैं कि इस की पूजा करने से रोगों का नाश होकर पीड़ा से मुक्ति मिलती हैं।
3. यदि आपके घर परिवार में किसी को किसी भी प्रकार का रोग है या तबियत खराब है तो मिश्री से बने शिवलिंग की विधिवत पूजा करने से रोगी का रोग दूर हो जाता है।
4. इस शिवलिंग को बनाने की विधि, पूजा विधि और मंत्र को अच्छे से किसी जानकार से पूछकर ही विधिवत पूजा करें।
5. मिश्री शिवलिंग पति-पत्नी के रिश्तों में मिठास लाते हैं। चंद्र के दोषों से मुक्ति दिलाते हैं।
6. मिश्री शिवलिंग से विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते आना शुरू हो जाते हैं।

पक्षियों को दाना खिलाने से बनी रहती है देवी लक्ष्मी की कृपा

हम अपने घरों में सुख समृद्धि लाने के लिए बहुत से उपाय करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पक्षियों को दाना खिलाना शुभ होता है, लेकिन इसमें मामूली सी गलती इसके विपरीत नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार अंजाने में ही हम सही हम कुछ न कुछ गलती भी कर जाते हैं।

ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र के अनुसार जो लोग पक्षियों को दाना डालते हैं उन पर हमेशा देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। अधिकतर लोग घर की छत या बालकनी में पक्षियों के लिए दाना डालते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि दाना डालने से भी नुकसान हो सकता है। पक्षियों को दाना डालना शुभ होता है, लेकिन उस समय कुछ गलतियां हो जाने से व्यक्ति को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आप जैसे ही दाना डालते हैं तो पक्षी खाने के लिए पहुंच जाते हैं। इन पक्षियों में सबसे आम होता है कबूतर। कबूतर का दाना चुगने आना बेहद शुभ माना जाता है। कबूतर को ज्योतिष में बुध ग्रह का माना जाता है। कुछ लोग पक्षियों के लिए दाना छत पर डालते हैं। छत को राहू का प्रतीक माना जाता है। जब कबूतर दाना खाने छत पर आते हैं तो इस तरह बुध और राहू का मेल हो जाता है। इसके साथ ही जिस जगह पक्षी दाना खाते हैं वहां गंदगी भी हो जाती है। यदि आप जगह को साफ रखते हैं तो तो कोई परेशानी नहीं, लेकिन यदि गंदगी रहती है तो इससे अशुभ प्रभाव मिलने शुरू हो जाते हैं। इस स्थिति में घर में रहने वाले लोगों पर राहु हावी हो जाता है जो अशुभ रहता है।

एकाग्रता की सीख अर्जुन से लें

हमें शुरुआत से ही बार-बार ध्यान लगाकर काम करने की सीख दी जाती है पर वर्तमान में इस पर गौर किया जाए, तो ध्यान की कमी नजर आती है। एकाग्रता के संबंध में धनुर्धर अर्जुन से सीख लें। अर्जुन को अपने लक्ष्य के अतिरिक्त कुछ दिखाई नहीं देता था। जब मन एक कार्य पर एकाग्र होता है, उस समय ध्यान की तीव्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप आप कार्यों को भली-भांति संपन्न करते हैं। आज के समय में जब प्रतियोगिता इतनी अधिक बढ़ गई है तो गहन कार्य या पूर्ण एकाग्रता के साथ काम करना न सिर्फ समय का सदुपयोग है, बल्कि समय नियोजन भी है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या की अगर कोई काट है तो वह मानसिक एकाग्रता के साथ संपन्न किया गया कर्म ही है। अगर आप इसे जीवन का धर्म बना लें तो इसके बाद आपकी क्षमता पूर्ण रूप से विकसित हो पाती है। उपनिषदों में दो शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं- कर्म और धर्म। धर्म का अर्थ है हमारा स्वभाव और कर्म जो हम करते हैं। कर्म में हमारी दृष्टि बाहर की ओर होती है और धर्म हमें अपने अंदर की ओर मोड़ देता है, अपने अंतर्मन की ओर। मन को लेकर हमें ज्ञात है कि इसे नियंत्रण में करना अति कठिन है, क्योंकि मन में भांति-भांति के उद्वेग उठते रहते हैं। इसे मन का विकार कहते हैं और जब यह मन विचलन से रहित हो जाता है उस शांत निर्विकार दशा को आत्मा कहते हैं।

सपने में दिवंगत परिजन आ रहे हैं तो समझिए संकेत

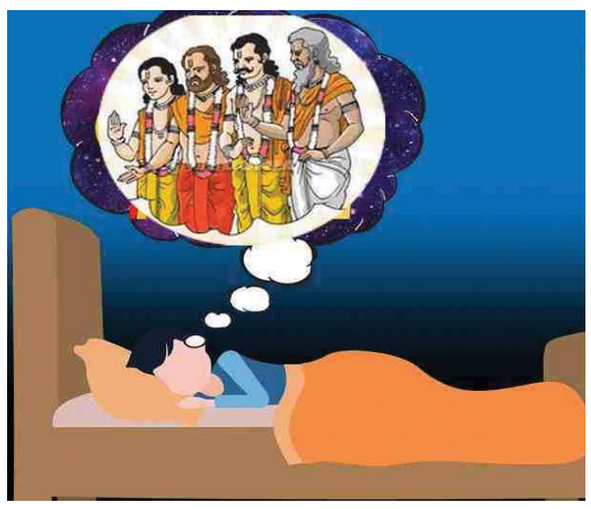

सपने कई कारणों से दिखाई देते हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। हालांकि स्वप्न शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार कुछ सपने हमें भविष्य का संकेत देते हैं या सतर्क करते हैं। इसी तरह के सपनों में एक है दिवंगतों का सपना बार-बार आना।

1. यदि किसी स्वस्थ व्यक्त का स्वर्गवास हो गया है और वह सपनों में बीमार दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि उसकी कोई इच्छा है जिसे वह पूरी करना चहता है। आपको यह जानना चाहिए कि उसकी क्या इच्छा थी जिससे पूरा करना है। इसका यह भी मतलब है कि आपके घर में कोई बीमार पड़ने वाला है।
2. यदि सपने में आपको आपके मृत परिजन आपको दिखाई दें लेकिन वे चुप हो या कुछ भी बोल नहीं रहे हों तो यह माना जाता है कि वह आपको यह जताना चाहता है कि आपको कुछ गलत कर रहे हैं या कि आप भविष्य में कुछ गलत करने वाले हैं।
3. सपने में पूर्वज आकर आपको आशीर्वाद दे और कुछ कहे नहीं तो यह समझा जाता है कि भविष्य में आप किसी कार्य में सफल होने वाले हैं।
4. यदि सपने में आपके स्वर्गवासी पूर्वज या परिजन उदास दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि वे आपके कार्य से खुश नहीं हैं। अतः आप सोच समझकर कोई कार्य करें।
5. यदि सपने में आपको आपके स्वर्गवासी परिजन आकाश में कहीं बहुत दूर दिखाई दे तो समझों की उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो गई है।
6. यदि मृत परिचय सपने में घर में ही या पास में ही दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि उनका आपके प्रति मोहभंग नहीं हुआ है। उनकी आत्मशांति के लिए आपको कुछ करना चाहिए।
7. मृत परिजनों का बार बार सपनों में आने का अर्थ है कि उनकी आत्मा भटक रही है। उन्हें दूसरा जन्म नहीं मिल पा रहा है या मुक्ति नहीं मिल पा रही है। उनकी आत्मशांति के लिए आपको श्राद्ध, तर्पण आदि करना चाहिए।
8. यदि ऐसा हो कि सपने में मृत परिजन आपको दूर नहीं खड़े दिखाई दे इसका अर्थ है कि परिवार में कुछ अच्छा होने वाला है। शादी, बच्चे का जन्म या अन्य कोई शुभ घड़ी आने वाली है।
9. यदि सपने में मृत परिजय अन्न या पानी मांग रहे हैं तो यह शुभ नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि बुरा समय आने वाला है। इसका यह भी मतलब है कि उन्हें उचित स्थान नहीं मिला है। उनकी आत्मा की शांति के लिए कोई कार्य करें।
10. सपने में अपने मृत परिजन को रोते हुए देखें या क्रोध में देखें तो इसका मतलब है कि आप कुछ बुरा कार्य कर रहे हैं। आपके जीवन में कोई बड़ी परेशानी खड़ी होने वाली है।
11. सपने में मृत पिता या कोई अन्य परिजन आपको कोई सामान देता हुए दिखाई दे तो यह शुभ है और लेता हुआ दिखाई दे तो यह अशुभ है।
12. सपने में मृत पिता का जिंदा दिखाई देना इस बात का संकेत हैं कि वे चाहते हैं कि आप उनकी जगह किसी को पिता समान समझकर उसकी आज्ञा का पालन करें।
13. सपने में मां या पिता को हंसते हुए देखने का अर्थ है कि वे चाहते हैं कि आप उनके प्रति निश्चिंत रहें और खुश रहें। उनको लेकर दुःखी न हों।

पूर्व पीएम इमरान खान की बेगम बुशरा बीबी का देशद्रोही हैशटैग चलाने वाला ऑडियो लीक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की शरीके हयात बुशरा बीबी का नया कथित ऑडियो क्लिप सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। इसमें वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. अरसलान खालिद को निर्देश दे रही हैं कि वे पीटीआई का विरोध करने वाले लोगों देशद्रोही बताएं। रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा बीबी को डॉ खालिद को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि इमरान खान ने उन्हें सोशल मीडिया पर देशद्रोही हैशटैग चलाने के लिए कहा है। बुशरा पूछती हैं कि इमरान खान ने आपको देशद्रोही हैशटैग के लिए कहा और इतने लोगों ने फोन किया। आपका सोशल मीडिया सक्रिय था लेकिन यह एक सप्ताह से सक्रिय नहीं है। ऐसा क्यों है बेटा? खालिद ने पूर्व फर्स्ट लेडी से कहा कि पीटीआई की सोशल मीडिया टीम पार्टी के खिलाफ देशद्रोही के तौर पर कैंपेन चलाएगी। बुशरा बीबी ने डॉ खालिद से यह भी कहा कि जो लोग उन्हें, इमरान खान और दोस्त फराह खान की छवि खराब कर रहे हैं, उन्हें भी देशद्रोही करार दें। ऑडियो के अनुसार, बुशरा ने पीटीआई की सोशल मीडिया टीम के कुछ दिनों तक एक्टिव नहीं होने के लिए डॉ. खालिद के प्रति निराशा जताई। इससे पहले कि डॉ खालिद कुछ कह पाते, बुशरा ने उनसे कहा कि जो हुआ उसे छोड़ दें। फिर उन्होंने उसके साथ साझा किया कि अलीम खान और अन्य लोग इमरान खान, उनके और उनकी दोस्त फराह खान के खिलाफ बोलेंगे। उन्होंने बताया कि कुछ लोग हमारे खिलाफ बोलेंगे। वे बहुत सारी कहानियां बनाएंगे। आपको इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। आप बस इन्हें देशद्रोही के तौर पर पेश करें। रिपोर्ट के मुताबिक, बुशरा ने डॉ खालिद को अपनी टीम को रूस से तेल नहीं खरीदने के सरकार के फैसले को उठाने के लिए कहा। यह भी बताया जाए कि आखिर किस तरह से इमरान खान को धोखा दिया जा रहा है। बुशरा ने कहा कि अब आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि यह मुद्दा खत्म न हो जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दों पर सोशल मीडिया में ट्रेंड में शामिल करने की कोशिश की जाए।

अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने में भारतीय दूसरे स्थान पर, जानिए कितने भारतीय हुए विदेशी

वाशिंगटन। अमेरिका में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 15 जून तक 6,61,500 लोगों को नागरिकता दी गई और पहली तिमाही में 'देशीयकृत' अमेरिकी नागरिकों के लिए जन्म के देश के तौर पर मेक्सिको के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक एम. जड्डू ने शुक्रवार को कहा, 'हमारे देश में ऐतिहासिक तौर पर, जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार तथा खुश रहने की स्वतंत्रता मिलने के कारण दुनियाभर से लाखों लोग अमेरिका में रहने आते हैं।' वित्त वर्ष 2021 में यूएससीआईएस ने 8,55,000 नए अमेरिकी नागरिकों का स्वागत किया। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2022 में यूएससीआईएस ने 15 जून तक 6,61,500 नए अमेरिकी नागरिकों का स्वागत किया। इसने कहा कि वह इस साल एक जुलाई से आठ जुलाई के बीच 140 से ज्यादा कार्यक्रमों के जरिये 6,600 नए नागरिकों का स्वागत कर स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस चार जुलाई को मनाया जाता है। देश के गृह सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 के दौरान पहली तिमाही में 'देशीकरण' के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करने वालों में से 34 प्रतिशत लोग मेक्सिको, भारत, फिलीपीन, क्यूबा और डोमिनिकन रिपब्लिक के थे। इनमें से मेक्सिको के 24,508 और भारत के 12,928 लोगों को नागरिकता दी गई।

पाकिस्तान में बड़ा सड़क हादसा, खाई में फिसल कर गिरी यात्रियों से भरी बस, 19 की मौत

कराची (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक बस के पर्वतीय सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। बस में 30 से अधिक लोग सवार थे। बस इस्लामाबाद से क्वेटा जा रही थी, तभी झोब में खाई में गिर गई। टेलीविजन फुटेज में देखा जा सकता है कि बचावकर्मी खून से लथपथ यात्रियों की मदद कर रहे हैं। सहायक आयुक्त सैयद मेहताब शाह ने कहा, 'जैसे ही बस क्वेटा के पास पहुंची, चालक ने तीखे मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस एक खाई में गिर गई। हमने अब तक 19 शव बरामद किए हैं, जबकि 11 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने शाह के हवाले से कहा, 'बारिश और वाहन के तेज रफ्तार के कारण यह घटना हुई।' शाह ने कहा कि सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। सिविल अस्पताल झोब के चिकित्सा अधीक्षक डॉ नूरुल हक ने कहा कि घायलों की हालत गंभीर है और मृतक संख्या बढ़ सकती है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुद्दूस बिजेंजो ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने घायलों का इलाज सुनिश्चित करने के लिए सिविल अस्पताल झोब में आपात स्थिति घोषित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी दुखद हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। पाकिस्तान में खराब सड़क अवसंरचना, यातायात कानूनों की अवहेलना और खराब रखरखाव वाले वाहनों के कारण घातक दुर्घटनाएं आम बात हैं। पिछले महीने, उत्तरी बलूचिस्तान स्थित किला सैफुल्ला जिले के पास एक वाहन के खाई में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों सहित 22 लोगों की मौत हो गई थी।

श्रीलंका को जुलाई में ईंधन की दो खेप मिलेगी: लंका आईओसी

कोलंबो। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की सहायक कंपनी लंका आईओसी के चेयरमैन ने शनिवार को कहा कि श्रीलंका को इस महीने ईंधन की दो खेप मिलेगी और एक अन्य खेप अगस्त में पहुंचेगी। गौरतलब है कि श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है और वहां ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी है। श्रीलंका सरकार नेसोमवार को कहा कि आधी रात से 10 जुलाई तकसिर्फ आवश्यक सेवाएं संचालित होंगी और अन्य सभी कार्यों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा। ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के चलते यह फैसला किया गया। समाचार पोर्टल इकोनॉमी नेक्स्ट ने लंका आईओसी के चेयरमैन मनोज गुप्ता के हवाले से कहा, ईंधन (पेट्रोल और डीजल) की दो खेप 13 -14 जुलाई को और 28 से 30 जुलाई के बीच आने की उम्मीद है। प्रत्येक जहाज में 30,000 मीट्रिक टन ईंधन होगा। गुप्ता ने कहा कि एक अन्य खेप 10 अगस्त को आने वाली है। उन्होंने कहा कि ये सभी खेप सिंगापुर और यूएई से आएंगी।

कोविड की छठी लहर की आशंका के बीच भारी आयात शुल्क के चलते पाकिस्तान में दवाओं की किल्लत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की छठी लहर की आशंका के बीच इस बीमारी के इलाज और बचाव में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाने के चलते दवाओं की किल्लत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि इसके चलते नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और इससे संकेत मिलता है कि महामारी के खिलाफ उसकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि गंभीर आर्थिक संकट और घटते विदेशी भंडार से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने इन दवाओं पर आयात शुल्क दोबारा लगा दिया था। देश में पूर्ववर्ती पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार ने नेबुलाइजर, फेस मास्क और दस्ताने जैसे उपकरणों को कर-मुक्त घोषित किया था। अखबार ने कहा कि थोक दवा संघ के अध्यक्ष मुहम्मद आतिफ ने दवाओं की किल्लत की पुष्टि की है। उन्होंने खासतौर से दवा पैनाडोल का जिक्र करते हुए कहा कि इस दवा के स्थानीय बाजारों से गायब होने की आशंका है। इस वजह से दवाओं की काला बाजारी भी बढ़ गई है।

हांगकांग के पास समुद्र में डूबा पोत, 12 लोगों के मौत की आशंका

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में परिचालित हो रहा एक औद्योगिक सहायता पोत समुद्री तूफान की चपेट में आने पर डूब गया और इस घटना में दो दर्जन से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है। हांगकांग बचाव सेवा ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बचाव कार्य के लिए विमान और हेलीकॉप्टर रवाना किए और नौवहन दल के 30 सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाला जा सका है। हांगकांग सरकारी उड़ान सेवा की ओर से जारी तस्वीरों में नौवहन दल के एक सदस्य को बचाव हेलीकॉप्टर की मदद लेते देखा गया जबकि पोत समुद्र की ऊंची लहरें के बीच डूब रहा था।

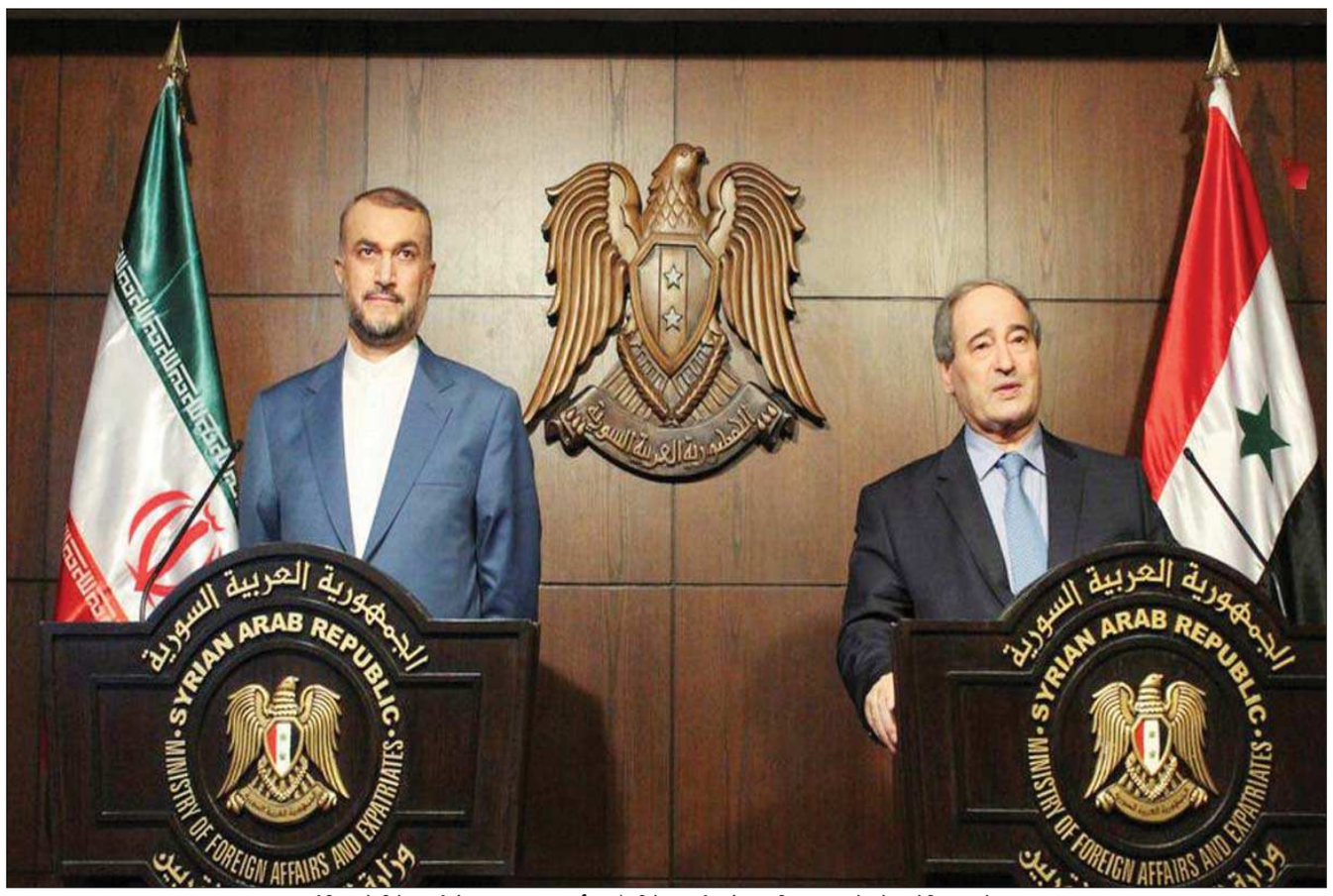

सीरिया में विदेशमंत्री फैशल मकदाद व ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर पत्रकारों को संबोधित करते हुए।

फ्रांस में कोरोना कहर, अस्पतालों में बढ़ी संक्रमितों की संख्या, बचाव के लिए लागू होगी नई गाइडलाइन

नीस । फ्रांस में एक बार फिर कोरोना ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कोविड के बढ़ते मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। फ्रांस में पर्यटन क्षेत्र दोबारा गति पकड़ रहा है और इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या भी बढ़ रही है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए र फ्रांसीसी अधिकारी लोगों से फिर से मास्क पहनने की अनुशंसा कर रहे हैं, लेकिन पार्बंदियों की समीक्षा नहीं कर रहे हैं ताकि पर्यटक भयभीत नहीं हो। सरकारी की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों की मानें तो फ्रांस में गत सप्ताह में कोविड-19 की वजह से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है और प्रतिदिन लगभग एक हजार संक्रमित भर्ती हो रहे हैं। तेजी से बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर से लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। 'अवर वर्ल्ड इन डाटा' के आकलन के मुताबिक यूरोप और अमेरिका में संक्रमण बढ़ रहा है लेकिन फ्रांस में संक्रमितों और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का अनुपात अधिक है। फ्रांसीसी सरकार की प्रवक्ता ओलिविया ग्रेगोइरे ने कहा है कि राष्ट्रीय नियमों को फिर से लागू करने की कोई योजना नहीं है जिनके अंतर्गत कई गतिविधियों को सीमित किया जाता है।

यूक्रेन के इस अहम शहर पर रूस ने किया कब्जा, नहीं थम रहा युद्ध

कीव। (एजेंसी)।

रूस के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि रूसी बलों ने रविवार को यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र स्थित लुहांस्क प्रांत के अहम शहर पर कब्जा कर लिया है, जिस पर अब तक यूक्रेन का नियंत्रण था। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रूस यूक्रेन के पूरे डोनबास इलाके पर कब्जा करने के लक्ष्य के करीब पहुंच गया है। रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक, रक्षामंत्री सर्गेई शोइगू ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि रूसी सैनिकों ने स्थानीय मिलिशिया के साथ मिलकर ''लिसिचांस्क शहर पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है।'' यूक्रेन के अधिकारियों ने तत्काल स्थिति स्पष्ट नहीं की है। यूक्रेन के लड़ाके गत कई हफ्तों से लिसिचांस्क शहर को बचाने का प्रयास कर रहे हैं और अब रूस के मुकाबले उनकी स्थिति कमजोर हो रही है जबकि पड़ोसी सिविएरोडोनेत्स्क पर एक हफ्ते पहले ही रूस का कब्जा हो चुका है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के एक सलाहकार का पूर्वानुमान था कि जल्द ही शहर का भविष्य तय हो जाएगा। लुहांस्क के गवर्नर ने रविवार तड़के बताया था कि रूस की सेनाएं यूक्रेन के पूर्वी लुहांस्क प्रांत में बचे आखिरी गढ़ पर कब्जा करने के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। लुहांस्क के गवर्नर सेरही हैदै ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के जरिये कहा, ''कब्जा करने वाले (रूस) ने अपनी सभी सेनाएं लिसिचांस्क शहर की ओर भेज दी हैं। वे शहर पर क्रूर हथकंडे के तहत हमला कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''रूस को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन वे बढ़त बनाए हुए हैं। उनकी शहर में मौजूदगी बढ़ रही है।'' उल्लेखनीय है कि एक नदी लिसिचांस्क को सिविएरोडोनेत्स्क से अलग करती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने शनिवार देर रातऑनलाइन साक्षात्कार में कहा कि रूसी सेनाएं पहली बार नदी पार कर उत्तर से दाखिल होने में सफल रही हैं जिससे ''खतरनाक'' स्थिति उत्पन्न हो गई है। एरेस्टोविच ने कहा कि अभी वे (रूसी सैनिक) शहर के केंद्र तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन लिसिचांस्क की लड़ाई के रुख का फैसला सोमवार तक हो जाएगा।

टेक्सास सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति बहाल करने वाला आदेश रोका

- रो बनाम वेड मामले पर अगली सुनवाई इस महीने के आखिर में होगी

टैलाहैसी (एजेंसी)।

अमेरिका में टेक्सास सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि क्लीनिक गर्भपात करना जारी रख सकते हैं। दरअसल, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड मामले से संबंधित फैसले को पलटते हुए गर्भपात कराने के महिलाओं के संवैधानिक अधिकार को निरस्त करने का फैसला सुनाया था, जिसके बाद से देश भर में प्रदर्शन हो रहे है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न प्रांतों को अपनी सुविधा के मुताबिक गर्भपात संबंधी कानून लागू करने का आदेश दिया था। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है कि टेक्सास के क्लीनिक जिन्होंने इस सप्ताह मरीजों को देखना फिर से शुरू किया था, वे फिर से अपनी सेवाएं बंद करेंगे अथवा नहीं। इस मामले पर अगली सुनवाई इस महीने के अंत में होनी है। टेक्सास के क्लीनिक द्वारा गर्भपात कराने आए मरीजों को वापस भेजना, मरीजों को दोबारा समय देना और अब संभावित रूप से फिर से मरीजों के चिकित्सकों से मिलने के निर्धारित समय को रद्द कर देना, ये सभी चीजें एक सप्ताह के भीतर ही हुई हैं। इससे देश के लोगों में संशय की स्थिति बन गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद करीब तीन करोड़ की आबादी वाले टेक्सास प्रांत में क्लीनिक ने गर्भपात करना बंद कर दिया था। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने वाले एक शोध समूह की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में अमेरिका में 9,30,000 से अधिक गर्भपात के मामले सामने आए जबकि यह आंकड़ा 2017 में करीब 8,62,000 था।

उत्तर कोरिया ने क्यों किया अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की निंदा

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने त्रिपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की रविवार को आलोचना की और चेतावनी दी कि इस कदम से देश अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए तत्काल कदम उठाने को मजबूर हो जाएगा। उत्तर कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रम के विस्तार के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों की शत्रुता को वजह बताता रहा है। रविवार का बयान ऐसे समय में आया है, जब उत्तर कोरिया के पड़ोसी ने कहा है कि देश अगले पांच साल में अपने पहले परमाणु परीक्षण के लिए तैयार होगा।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''मौजूदा स्थिति से कोरियाई प्रायद्वीप और शेष दुनिया के सुरक्षा वातावरण के तेजी से बिगड़ने की आशंका अधिक है और देश के लिए रक्षा निर्माण करना एवं अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाना जरूरी हो जाएगा।'' बयान में पिछले हफ्ते नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं के बीच हुई एक त्रिपक्षीय बैठक का मुद्दा उठाया गया।

बैठक के दौरान तीनों देशों ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए अपने सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया था। हाल में आयोजित त्रिपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि वह उत्तर कोरिया के निरंतर बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों और परमाणु परीक्षण करने की योजनाओं को लेकर ''बेहद चिंतित'' हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने कहा कि उत्तर कोरिया के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के कारण त्रिपक्षीय सहयोग का महत्व बढ़ गया है और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा था कि उत्तर कोरिया के खतरों को रोकने के लिए संयुक्त मिसाइल रोधी अभ्यास महत्वपूर्ण होगा।

पाकिस्तानी सरकार टीटीपी से करेगी शांति वार्ता, क्या मानी जाएगी तहरीक-ए-तालिबान की 'मुख्य' मांगें?

हांगकांग। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक संसदीय समिति ने सैन्य नेतृत्व को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से शांति वार्ता करने के लिए अधिकृत किया है। गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने यह जानकारी दी। उन्होंने शनिवार को बताया कि सैन्य नेतृत्व वार्ता में होने वाली किसी प्रगति की जानकारी समिति को देगी और इस विषय पर संसद में चर्चा कराई जाएगी। सन्नाउल्ला ने बताया कि वार्ता केवल पाकिस्तान के संविधान के अंतर्गत ही होगी। डॉन अखबार ने उनके हवाले से बताया कि किसी भी समझौते तक संविधान के तहत पहुंचा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की सेना ने 22 जून को राजनीतिक नेतृत्व को आश्वस्त किया था कि टीटीपी के साथ चल रही वार्ता में कोई भी रियायत नहीं दी जाएगी और आतंकवादी संगठन के साथ होने वाले किसी भी समझौते के लिए संसद से मंजूरी ली जाएगी। अखबार की खबर के मुताबिक, सैन्य नेतृत्व ने यह आश्वासन प्रधानमंत्री कार्यालय में राजनीतिक नेतृत्व के साथ हुई एक बैठक में दिया। टीटीपी के साथ अफगान तालिबान की मदद से जारी वार्ता के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजनीतिक नेतृत्व और सैन्य नेतृत्व के बीच बैठक हुई है। यह बैठक सरकार में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के विरोध के बाद आयोजित की गई है, जिसने कहा था कि इस वार्ता में उसे भरोसे में नहीं लिया जा रहा है।

कई महीने से दुर्गंध से जूझ रहा ब्रिटेन का वेस्ट मिडलैंड्स शहर, बदबू से लोग करने लगे उल्टियां

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के सुंदर शहरों में शुमार वेस्ट मिडलैंड्स (बर्मिंघम) एक अजीब सी दुर्गंध का शिकार हो गया है। हाल ही में एक खबर सामने आई है, जो अब पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। यहां के एक शहर में अचानक से बदबू फैलने लगी है। इस बदबू की वजह से लोग उल्टियां करने लगे हैं। लोगों की जीना मुश्किल हो रहा है। जरूरत पड़ने पर ही वे घर से बाहर निकल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स (बर्मिंघम) में इस तरह की दिक्कत हो रही है। लोकल रेजिडेंट्स का कहना है कि यह समस्या पिछले 9 महीने से बनी हुई है। इस बजह से हम सबसे परेशान हैं। सबसे ज्यादा मुश्किलें बच्चों के सामने आ रही हैं। वह बार-बार उल्टी करते हैं। यहीं रहने वाले एक शख्स ने बताया कि बदबू की वजह से उनके शरीर में खुजली की समस्या होने लगी है।

एक अन्य शख्स ने बताया कि हम लोग चाहकर भी अपनी खिड़की खोल नहीं पा रहे हैं। सुबह से ही बदबू आने लगती है। लोगों का कहना कि पहली बार जब यह मामला सामने आया तो हमें लगा कि कहीं से कोई गैस लीक हुई है, लेकिन कहीं पर कोई लीकेज नहीं मिली थी। अब यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसी शहर में रहने वाले एक अन्य शख्स का कहना है कि एक तो इस शहर में गर्मी बहुत है, ऊपर से बदबू की वजह से अपने घर की खिड़की तक नहीं खोल सकते हैं। बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत है।

तेजस ने दिखाया अपना दम, चीन और साउथ कोरिया को पछाड़कर बना मलेशिया की पहली पसंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत का 'तेजस' हल्का लड़ाकू विमान मलेशिया की पहली पसंद बनकर उभरा है और यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अपने पुराने हो चुके लड़ाकू विमानों को बदलना चाहता है। एचएएल निर्मित तेजस ने प्रतिस्पर्धा में शामिल चीनी और दक्षिण कोरियाई विमानों को पछाड़ दिया है। एचएएल के चेयरमैन ने कहा कि चीनी विमान जेएफ-17, दक्षिण कोरियाई विमान एफए-50 और रूस के मिग-35 तथा याक-130 से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भी मलेशिया ने तेजस पर भरोसा जताया है। तेजस विमानों को लेकर दोनों पक्ष वार्ता कर रहे हैं, ताकि खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के प्रबंध निदेशक और चेयरमैन आर माधवन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''चीन के जेएफ-17, दक्षिण कोरिया के एफए-50, रूस के मिग-35 और याक-130 लड़ाकू विमानों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद मलेशिया तेजस की खरीद के लिए बात कर रहा है।'' भारत ने पैकेज के तहत मलेशिया में एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल) सुविधा स्थापित करने की पेशकश की है, क्योंकि मॉस्को पर लगे प्रतिबंध के कारण रूस से खरीदे गये एसयू-30 विमानों के कलपुर्जों की खरीद में मलेशिया को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह बड़ा सौदा क्या जल्द पूरा होगा?

इसके जवाब में माधवन ने कहा, ''मैं इसे लेकर बहुत अधिक आश्वस्त हैं बशर्ते कोई राजनीतिक बदलाव नहीं हो।'' राज्य द्वारा संचालित दिग्गज एयरोस्पेस कंपनी के शीर्ष कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अगर सौदा तय हो जाताहै, तो यह विमान के अन्य संभावित खरीदारों को 'बहुत अच्छा संकेत' देगा और इसकी समग्र निर्यात क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। माधवन ने कहा, ''बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। हम एकमात्र देश हैं, जो उन्हें एसयू-30 विमानों के साथ-साथ रूस के अलावा अन्य देशों के विमान के लिए सहयोग की पेशकश कर रहे हैं। हम उसके बेड़े के रखरखाव से जुड़ी हर जरूरत के लिए मलेशिया का सहयोग कर सकते हैं।'' यह पता चला है कि चीनी जेएफ-17 सस्ता था, लेकिन यह तेजस एमके-आईए संस्करण के तकनीकी मापदंडों और भारत द्वारा प्रस्तावित एसयू-30 बेड़े के रखरखाव की पेशकश से मुकाबला नहीं कर सका। खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उच्च पदस्थ अधिकारियों और विशेषज्ञों की एक टीम के जल्द ही भारत आने की उम्मीद है। माधवन ने कहा कि जेएफ-17 और एफए-50 की तुलना में तेजस काफी बेहतर विमान है और भारतीय विमानों के चयन से मलेशियाई को भविष्य में अपने बेड़े के उन्नयन के लिए एक विकल्प मिलेगा। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस एक एकल इंजन और अत्यधिक सक्षम बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है, जो उच्च-खतरे वाले वायु वातावरण में संचालन में सक्षम है। पिछले साल फरवरी में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। भारत ने तेजस के एमके-2 संस्करण के साथ-साथ पांचवीं पीढ़ी के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को विकसित करने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम शुरू कर दिया है।

भारतीय महिला की निगाहें दूसरे वनडे में जीत से श्रृंखला अपने नाम करने पर

(एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को होने वाले दूसरे मैच में जीत से तीन मैचों की वनडे श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगी और साथ ही अपने शीर्ष क्रम विशेषकर सलामी बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद लगायेगी। इससे पहले हुई टी20 श्रृंखला 2-1 से अपने नाम करने के बाद भारत ने कम स्कोर वाले पहले मैच में 72 गेंद रहते चार विकेट से जीत दर्ज करवनडे श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली थी। इस आसान जीत के बावजूद भारतीय 'थिंक टैंक' को उप कप्तान स्मृति मंधाना और युवा शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी को लेकर कुछ चिंता बनी होगी। और ऐसा इसलिये है क्योंकि ये दोनों बल्लेबाज दौरे पर अभी तक कोई मजबूत साझेदारी नहीं बना सकी हैं जिससे टीम को तेज शुरूआत नहीं मिली है। मंधाना और वर्मा अब बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगी क्योंकि दौरे पर बस दो ही मैच बचे हैं। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर अपनी भूमिका का लुत्फ उठा रही हैं, वह रन जुटाने के अलावा अपनी कामचलाऊ ऑफ स्पिन से विकेट भी चटका रही हैं।

भारतीय गेंदबाज विशेषकर स्पिनर श्रीलंका की धीमी पिचों का अच्छा इस्तेमाल कर रही हैं और उन्होंने दौरे पर टीम की जीत में अहम भूमिका अदा की हैं। दायें हाथ की मध्यम गति की गेंदबाज रेणुका सिंह ने 29 रन देकर तीन विकेट झटके। हालांकि दीप्ति शर्मा (25 रन देकर तीन विकेट) की ऑफ ब्रेक ने श्रीलंका की रीढ़ तोड़ दी जिससे मेहमान टीम पहले वनडे में महज 171 रन पर सिमट गयी। भारतीय गेंदबाजों ने जहां दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया तो वहीं बल्लेबाजों को अनिरंतरता का सामना करना पड़ रहा है। वर्मा एक बार फिर अच्छी शुरूआत दिलाने में नाकाम रही और पहले वनडे में कम स्कोर का पीछा करते हुए शीर्ष क्रम चरमरा गया। हरमनप्रीत, हरलीन देओल, दीप्ति, पूजा वस्त्राकर वाले मध्यक्रम ने शुरूआती मुकाबले में भारत को जीत तक पहुंचाया। श्रीलंकाई टीम उम्मीद करेगी कि कप्तान चामरी अटापट्टू अपने बल्ले से बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करें। सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षी डि सिल्वा ने अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उन्हें भागीदारियां निभाने की जरूरत है। गेंदबाजी में बायें हाथ की स्पिनर इनोका

रणवीरा ने चमकदार प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें अपनी साथियों से मदद की दरकार होगी। श्रीलंकाई टीम पिछले महीने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला हार गयी थी और वह इस प्रारूप में लगातार दूसरी श्रृंखला हारने से बचना चाहेगी।

पारूल चौधरी ने लॉस एंजिलिस में 3000 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया

विंबलडन (एजेंसी)।

नई दिल्ली = भारतीय धाविका पारूल चौधरी ने लॉस एंजिलिस में साउंड रनिंग मीट के दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया और महिला 3000 मीटर स्पर्धा में नौ मिनट से कम समय लेने वाली देश की पहली एथलीट बनी।

पारूल ने शनिवार रात आठ मिनट 57.19 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। स्टीपलचेज की विशेषज्ञ पारूल ने छह साल पहले नयी दिल्ली में सूर्या लोंगनाथन के नौ मिनट 4.5 सेकेंड के रिकॉर्ड को तोड़ा। रेस में पारूल पांचवें स्थान पर चल रही थी लेकिन अंतिम दो लैप में जोरदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर जगह बनाने में सफल रही।

तीन हजार मीटर गैर ओलंपिक स्पर्धा है जिसमें भारतीय खिलाड़ी ज्यादातर प्रतिस्पर्धा पेश नहीं करते। पारूल को इस महीने अमेरिका के ओरेगन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में भी जगह दी गई है। वह महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में चुनौती पेश करेंगी। उन्होंने पिछले महीने चेन्नई में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज का खिताब जीता था।

कोविड-19 जांच में नेगेटिव आने के बाद रोहित पृथकवास से बाहर निकले

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा कोविड-19 जांच में नेगेटिव आने के बाद पृथकवास से बाहर निकल गये हैं और सात जुलाई से शुरु होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेंगे। लीसेस्टरशर के खिलाफ अभ्यास मैच के दूसरे दिन कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि होने के बाद 35 साल के रोहित इंग्लैंड के खिलाफ पिछले साल की श्रृंखला के बचे हुए पांचवें टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं है। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-से कहा, '' हां, रोहित जांच में नेगेटिव रहा है। चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार अब वह पृथकवास से बाहर है। वह आज नॉर्थम्पटनशर के खिलाफ टी20 अभ्यास मैच का हिस्सा नहीं होंगे क्योंकि उन्हें शुरुआती टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से पहले आराम और अभ्यास की जरूरत है।'' चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार कोविड-19 पृथकवास से बाहर निकलने के बाद किसी भी खिलाड़ी को फेफड़ों की क्षमता की जांच करने के लिए अनिवार्य हृदय परीक्षण से गुजरना पड़ता है।'' भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा टेस्ट में रोहित को खिलाने के लिए बेताब थी लेकिन मैच शुरू होने से पहले वह तीन बार जांच में कोविड-19 पॉजिटिव मिले। ऐसे में टीम को जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में मैदान में उतरना पड़ा।

बेयरस्टो की शानदार बल्लेबाजी, इंग्लैंड ने तीसरे दिन लंच तक बनाए 6 विकेट पर 200 रन

बर्मिंघम (एजेंसी)।

शानदार लय में चल रहे जॉनी बेयरस्टो के आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को लंच तक 6 विकेट पर 200 रन बना लिए। बारिश के कारण पहले सत्र के खेल को रोकना पड़ा और उसी समय अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी। इंग्लैंड की टीम भारत की पहली पारी के 416 रन के स्कोर से अभी 216 रन पीछे है और उसके चार विकेट बचे हुए हैं।

बेयरस्टो शनिवार को 53 गेंद पर 12 रन बनाए थे लेकिन रविवार को उन्होंने पिछले कुछ टेस्ट मैचों की तरह एक बार फिर आक्रामक रुख अपनाते हुए अब तक 107 गेंद की पारी में 91 रन बना लिए। उनके साथ विकेटकीपर सैम बिलिंग्स सात रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है।

बेयरस्टो ने कप्तान बेन स्टोक्स (25) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। शारदुल ठाकुर की गेंद पर कप्तान जसप्रीत बुमराह ने डाइव लगाकर शानदार कैच पकड़ स्टोक्स की 36 गेंद की पारी को खत्म किया।

इस विकेट से पहले इंग्लैंड ने पारी के 33वें से 36वें ओवर में सात चौके लगाए और स्टोक्स को दो जीवनदान मिले। इंग्लैंड के कप्तान के गगनचुंबी शॉट को शारदुल लपकने में नाकाम रहे और इसके बाद उनकी गेंद पर बुमराह ने आसान कैच टपकाया। बुमराह ने इसके बाद हालांकि शानदार कैच पकड़ कर स्टोक्स को बड़ी खेलने का मौका नहीं दिया।

दूसरे दिन के खेल के दौरान संघर्ष करने वाले बेयरस्टो को तीसरे दिन शुरुआती 20 मिनट के खेल के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने बेयरस्टो की बल्लेबाजी पर कुछ टिप्पणी की और इंग्लैंड के बल्लेबाज ने अपने खेलने का अंदाज बदल दिया। बेयरस्टो ने मिड ऑफ और मिड विकेट के ऊपर से कुछ अच्छे चौके लगाए। उन्होंने मोहम्मद सिराज

और शारदुल के खिलाफ छक्के भी जड़े। बेयरस्टो ने अब तक 12 चौके और दो छक्के लगाए।

उज्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब से जुड़ी स्टार फारवर्ड डांगमेई

नयी दिल्ली। स्टार फारवर्ड डांगमेई ग्रेस शनिवार को विदेशी क्लब से पेशेवर अनुबंध हासिल करने वाली तीसरी भारतीय फुटबॉलर बन गयीं। वह उज्बेकिस्तान सुपर लीग क्लब एफसी नासफ से जुड़ गयीं। डांगमेई के पूर्व क्लब गोकुलम केरला ने ट्विटर पर पोस्ट किया- वह अगले सत्र से एफसी नासफ का प्रतिनिधित्व करेंगी। हम उन्हें शुभकामनायें देते हैं। आपको जल्द ही उज्बेकिस्तान में खेलते देखेंगे। उज्बेकिस्तान सुपर लीग जून में शुरू हुई और 15 दिसंबर तक चलेगी। नासफ एफसी ने मणिपुर युवा मामलों और खेल विभाग को लिखे पत्र में इसकी जानकारी दी। क्लब के महानिदेशक ए युसुपोव ने लिखा, ''वह अनुबंध के दौरान तीन टूर्नामेंट - महिलाओं की लीग, उज्बेकिस्तान कप (नॉकआउट टूर्नामेंट) और उज्बेकिस्तान सुपर कप में खेलेंगी। उन्होंने लिखा- इस लीग से उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का काफी अनुभव हासिल होगा और इससे उन्हें अपने फुटबॉल कौशल के विकास में और अपने करियर में मदद मिलेगी।

बारिश के कारण वेस्टइंडीज-बांग्लादेश ट्वेंटी20 रद्द

रोसीयू । बारिश के कारण वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच यहां होने वाला पहला ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं हो पाया है। मैदान में पानी होने के कारण पहले तो मैच देर से शुरु हुआ। इसके बाद ओवरों को कम करते हुए इसे 16-16 ओवर का कर दिया गया। आठवें ओवर में फिर बारिश आने के कारण मैच रोकना पड़ा। इसके बाद यह मैच 14-14 ओवर का कर दिया गया।

इसमें पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम 13 ओवर ही खेल पायी की बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। इसके बाद अंपायरां ने मैच रद्द करने की घोषणा कर दी। तब तक बांग्लादेश ने शाकिब अल हसन के 29 रनों की सहायता से आठ विकेट पर 105 रन बनाये। वहीं वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेपर्ड ने 21 रन देकर तीन विकेट लिए।

भारत की वापसी ने हमें भरोसा दिया कि हम भी ऐसा ही कर सकते हैं: जेम्स एंडरसन

बर्मिंघम। (एजेंसी)।

इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन के अनुसार यहां चल रहे पांचवें टेस्ट में भारत की मजबूत वापसी से उनकी टीम को भी इसी तरह वापसी का भरोसा मिलेगा। एंडरसन ने साथ ही जोर दिया कि मेहमान टीम आक्रामक खेलना जारी रखेगी। दूसरे दिन के खत्म होने तक इंग्लैंड की आधी टीम पवेलियन लौट चुकी थी और उसका स्कोर पांच विकेट पर 84 रन था। इससे वह भारतीय टीम से अब भी 332 रन से पिछड़ रही है। भारतीय टीम भी शुरूआती दिन कुछ इसी तरह की स्थिति में थी और उसका स्कोर पांच विकेट पर 98 रन था।

एंडरसन ने दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, ''हम भी उनकी तरह की स्थिति में हैं जिससे हमें भरोसा है कि हम भी ऐसा ही कुछ कर सकते हैं।'' भारत के लिये ऋषभ पंत (146) और रविंद्र जडेजा (104) ने शतक जड़कर और छठें विकेट के लिये 222रन की साझेदारी निभाकर पहली पारी में 416 रन बनाने में मदद की। एंडरसन ने कहा, ''हमें निचले क्रम में अपना काम करना है, हमें कुछ बड़ी भागीदारियां करनी होंगी और भारत पर दबाव बनाना होगा।'' उन्होंने कहा, ''और हमारा सबसे बेहतर 'डिफेंस' आक्रमण करना होगा।'' पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में कप्तान बेन स्टोक्स और जॉनी बेयरस्टो ने इंग्लैंड को इस तरह की मुश्किल स्थिति से बाहर निकाला था। एंडरसन ने कहा, ''पिछले कुछ हफ्तों में हम इसी तरह की मुश्किल परिस्थिति में थे और हमने जिस तरह से तब प्रतिद्वंद्वी टीम को दबाव में लाने की कोशिश की थी, उसी तरह यहां भी करेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हम स्कोर बनाना चाहते हैं और मैच को आगे बढ़ाना चाहते हैं। हम यही करने की कोशिश करेंगे।''

एंडरसन ने 60 रन देकर पांच विकेट झटके थे। लेकिन उन्होंने माना कि पंत की शानदार पारी ने लय भारत के पक्ष में कर दी। उन्होंने कहा, ''मुझे वास्तव में लगा कि हमने कल सुबह और दोपहर में काफी अच्छी गेंदबाजी की थी। लेकिन पंत फिर शानदार पारी खेली।'' एंडरसन ने कहा, ''वह काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी है, वह सभी तरह के शॉट खेलता है और वह इन्हें खेलने में जरा भी हिचकता नहीं है इसलिये उसे गेंदबाजी करना मुश्किल है।'' फिर कप्तान जसप्रीत बुमराह ने स्टुअर्ट ब्राड पर 29 रन जोड़कर एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड बना दिया। ब्राड ने इस ओवर में अतिरिक्त सहित कुल 35 रन दिये। एंडरसन ने कहा, ''सामान्य दिन में इस तरह के शॉट में गेंद बल्ले से छूकर क्षेत्ररक्षक के हाथों में चली जाती है और अगर ऐसा होता तो कोई भी इस ओवर के बारे में बात नहीं करता। लेकिन यह ओवर जिस तरह से गया, मुझे लगता है कि यह काफी दुर्भाग्यशाली रहा।'' उन्होंने कहा, ''कभी कभार शीर्ष क्रम के बल्लेबाज को गेंदबाजी करना आसान हो सकता है। लेकिन पुछल्ले गेंदबाजों के खिलाफ लय हासिल करना थोड़ा पेचीदा हो जाता है।

विंबलडन : लोरेंजो सोनेगो पर जीत दर्ज कर चौथे दौर में पहुंचे राफेल नडाल

विंबलडन। स्पेन के 22 बार के मेजर चैम्पियन राफेल नडाल ने शनिवार को यहां विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के चौथे दौर में प्रवेश किया। नडाल ने तीसरे दौर के मुकाबले में 27वें नंबर के लोरेंजो सोनेगो पर 6-1, 6-2, 6-4 से जीत दर्ज की। अब चौथे दौर में उनका सामना 21वें नबंबर के बोटिक वान डि जांड्शुल्प से होगा। वहीं निक किर्गियोस और चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास के बीच तीसरे दौर के मुकाबला काफी 'शाब्दिक जंग' से भरा रहा। इसमें गैर वरीयता प्राप्त किर्गियोस ने 6-7, 6-4, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज की और चौथे दौर में उनका सामना ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। किर्गियोस पर पहले दौर के बाद एक दर्शक की ओर थूकने के लिए जुर्माना भी लगाया गया था। वह 2016 के बाद पहली बार आल इंग्लैंड क्लब के चौथे दौर में पहुंचे। पिछले साल फ्रेंच ओपन के उप-विजेता रहे सिटसिपास ने मैच के बाद किर्गियोस के बर्ताव की आलोचना भी की। सोमवार को अन्य मुकाबलों में 11वें नबंर के टेलर फ्रिट्ज क्वालीफायर जेसन कुबलर के सामने होंगे जबकि 19वें नंबर के एलेक्स डि मिनौर का सामना क्रिस्टियन गारिन से होगा।

विम्बलडन: एलीजे कॉर्नेट ने रोका इगा स्वियाटेक का विजय रथ, चौथे दौर में पहुंची

लंदन । फ्रांस की एलीजे कॉर्नेट ने लगातार 37 मैच जीत चुकी इगा स्वियाटेक को हराकर विम्बलडन 2022 के चौथे दौर में प्रवेश किया। कॉर्नेट ने विश्व की नंबर एक स्वियाटेक को शनिवार को हुए मुकाबले में 6-4, 6-2 से हराकर पोलैंड की खिलाड़ी के विजय-रथ पर लगाम लगाई। इससे पहले स्वियाटेक 135 दिनों में 37 मुकाबले जीतकर 1997 में मार्टिर्न हिंगिस के 37 मैच जीतने के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुकी थीं।

कॉर्नेट ने जीत के बाद कहा, 'इगा के खिलाफ यह मैच जीतना मेरे लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस साल जो किया है वह इस दुनिया से बाहर का प्रदर्शन है। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैंने उनके इस सिलसिले को तोड़ा है। यह आश्चर्यजनक है। मैं दूसरे सप्ताह में फिर से प्रवेश करके बहुत खुश हूं।' कॉर्नेट ने स्वियाटेक के पावर गेम का सामना करने के लिए साफ, अनुभवी प्रदर्शन दिखाया। दो शुरुआती ब्रेक की बदौलत कॉर्नेट ने 3-0 की बढ़त बना ली। स्वियाटेक ने लंबे चौथे गेम में कॉर्नेट को पछाड़ कर मैच में वापसी करने का प्रयास किया, लेकिन कॉर्नेट ने 51 मिनट के शुरुआती सेट में केवल पांच अप्रत्याशित त्रुटियां कीं, जबकि स्वियाटेक ने 17 गलतियों से यह सेट गंवा दिया। दूसरे सेट में स्वियाटेक ने मजबूत शुरुआत के साथ 2-0 की बढ़त हासिल की, लेकिन अपनी त्रुटियों पर लगाम न लगा पाने के कारण उन्होंने जल्द ही कॉर्नेट को भी दो पॉइंट दे दिए, जहां से फ्रेंच खिलाड़ी सेट और मैच को स्वियाटेक की पकड़ से दूर ले गईं।

इंग्लैंड में शतक हमेशा विशेष होता है, आत्मविश्वास बढ़ाने का काम करता है: जडेजा

बर्मिंघम (एजेंसी)।

भारत के सीनियर आल राउंडर रविंद्र जडेजा को लगता है कि इंग्लैंड के मुश्किल भरे हालात में शतक जड़ने से बल्लेबाज के तौर पर उनकी प्रतिष्ठा में ही इजाफा नहीं होगा बल्कि यह उनके करियर में आत्मविश्वास बढ़ाने का काम भी करेगा।

जडेजा ने 194 गेंद में 104 रन की पारी खेलकर ऋषभ पंत (111 गेंद में 146 रन) के साथ छठे विकेट के लिये 222 रन की भागीदारी निभायी और भारत को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट में पहली पारी में पांच विकेट पर 98 रन से वापसी करायी। जडेजा का यह विदेश में पहला शतक था।

उन्होंने एजबेस्टन पर दूसरे दिन के खेल के बाद कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि मैंने भारत के बाहर एक शतक जड़ा और वो भी इंग्लैंड में। एक खिलाड़ी के लिये यह बड़ी चीज है।''

जडेजा ने कहा, ''मैं इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में बनाये गये इस शतक को आत्मविश्वास बढ़ाने के तौर पर लूंगा।'' पिछले कुछ वर्षों में जडेजा की बल्लेबाजी में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में बल्लेबाज को सफलता हासिल करने के लिये सबसे महत्वपूर्ण चीज है, गेंद का अंदाजा लगाने की काबिलियत।

उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड में आपको अपने शरीर के करीब से खेलना होता है क्योंकि अगर आप कवर ड्राइव और स्क्वेयर ड्राइवर खेलने की कोशिश करोगे तो आपका विकेट के पीछे और स्लिप में लपकने के मौके होते हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसलिये मेरा ध्यान ऑफ-स्टंप से बाहर जा रही गेंदों को छोड़ने का था। मैंने सोचा कि उन्हीं गेंद को हिट करूंगा जो मेरे करीब होंगी। और भाग्यशाली रहा कि जो भी गेंद खेली, वो मेरे करीब थीं। आपको अपना ऑफ-स्टंप जानना होता है और ऑफ स्टंप के बाहर जा रही गेंदों को छोड़ना होता है।

'' अपने करियर का दूसरा शतक जड़ने वाले जडेजा ने कहा, ''इंग्लैंड की परिस्थितियों में गेंद स्विंग करती है इसलिये आपको अपनी बल्लेबाजी में अनुशासन लाना होता है। आपको चौथे और पांचवें स्टंप की ओर जा रही गेंदों को खेलने के लिये चुनना होता है। 40, 50 और 70 रन के स्कोर पर आप अच्छी गेंद पर आउट हो सकते हो।''

उन्होंने कहा, ''मैं सोच रहा था कि अगर मुझे अच्छी गेंद मिलती है तो मैं कुछ नहीं कर सकता लेकिन कम से कम मुझे खराब शॉट खेलने की कोशिश नहीं करनी चाहिए और बाउंड्री लगाने का प्रयास नहीं करना चाहिए। अगर गेंद मेरी रेंज में आती है तो मैं इसे हिट करूंगा।'' सौराष्ट्र के इस आल राउंडर ने कहा कि वह 'टैग' में विश्वास नहीं करते। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को कोई 'टैग' नहीं देना चाहूंगा। टीम की जरूरत जो भी होगी, मैं उसी के अनुसार खेलने की कोशिश करूंगा। बतौर आल राउंडर ऐसी भी स्थिति आती है जब आपको रन जोड़ने होते हैं और टीम के लिये मैच बचाना या जीतना होता है।''

उन्होंने कहा, ''गेंदबाजी में आपसे विकेट लेने की उम्मीद होती है। टीम को जो भी जरूरत होती है, मैं ऐसा करने की कोशिश करता हूं।

नए मामलों ने बढ़ायी चिंता

कटक में मास्क और सामाजिक दूरी अनिवार्य

कटक, एमएस संवाददाता: कटक में कोरोना संक्रमण धीरे-धीरे बढ़ रहा है। जहां शुक्रवार को ३८ कोरोना संक्रमित की पहचान की गई थी, वही शनिवार को ३५ कोरोना संक्रमित की पहचान हुई है। ऐसी स्थिति में कटक नगर निगम की ओर से पाबंदी लगाया गया है। जुलाई ३ तारीख यानी रविवार से कटक शहर में मास्क पहनना और सामाजिक दूरी को अनिवार्य किया गया है।

यहां तक कि, जिला के बाहर से आने वाले लोगों को मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। राज्य में खुरदा जिला के बाद कोरोना संक्रमण में कटक जिला दूसरे स्थान पर होने हेतु इस तरह का ठोस कदम उठाया गया है। कटक नगर निगम के कमिश्नर द्वारा शनिवार अपराह्न को जारी की जाने वाली विज्ञप्ति के अनुसार, सार्वजनिक स्?थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है।

इसके अलावा भीड़भाड़ वाले इलाके में सामाजिक दुरी को २ मीटर पहले की भांति पालन करने के लिए निर्देश दी गई है। शहर के तमाम मॉल और दुकान में इस नियम को पालन किया जाएगा। व्यापारिक प्रतिष्ठान के मालिक इसके लिए ठोस कदम उठाएंगे। यह नियम न पालन करने वाले लोगों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई प्रशासन की ओर से की जाएगी।

दूसरी ओर सर्वसाधारण जगह पर ना थूकने के लिए, नियमित रूप से हाथ धोना यां सैनिटाइजर का इस्तेमाल करना आदि नियम को पालन करने के लिए भी निवेदन की गई है। तमाम सरकारी कार्यालय और निजी प्रतिष्ठान में अधिकारी अपने कार्यालय में भी इन नियमों का पालन करेंगें। इसके साथ-साथ कर्मचारियों को जागरूक कराएंगे, यह निर्देश दिए गए हैं।अपनी सुरक्षा के लिए पहले की भांति कोरोना के तमाम सतर्कता नियम को पालन करने के लिए कटक के सुभाष सिंह ने शहर के लोगों को आह्वान किया है। उन्होंने गण माध्यम को जानकारी देते हुए कहा कि, कोरोना संक्रमण बढ़ना निश्चित तौर पर चिंता का विषय है। लेकिन इसके लिए हम सब को जागरूक होना जरूरी है।

जागरूक रहने से सभी सुरक्षित रह सकेंगे। स्थिति नियंत्रण के बाहर जाने पर आगे प्रशासन को और कई कठोर कदम लेना पड़ेगा। मास्क पहनना और सामाजिक दूरी आदि छोटे-छोटे नियमों को पालन करने के लिए शहर के लोगों को मेयर श्री सिंह ने आह्वान किया है।

अपनी सुरक्षा के लिए पहले की भांति कोरोना के तमाम सतर्कता नियम को पालन करने के लिए कटक के सुभाष सिंह ने शहर के लोगों को आह्वान किया है। उन्होंने गण माध्यम को जानकारी देते हुए कहा कि, कोरोना संक्रमण बढ़ना निश्चित तौर पर चिंता का विषय है। लेकिन इसके लिए हम सब को जागरूक होना जरूरी है।

जागरूक रहने से सभी सुरक्षित रह सकेंगे। स्थिति नियंत्रण के बाहर जाने पर आगे प्रशासन को और कई कठोर कदम लेना पड़ेगा। मास्क पहनना और सामाजिक दूरी आदि छोटे-छोटे नियमों को पालन करने के लिए शहर के लोगों को मेयर श्री सिंह ने आह्वान किया है।

प्लास्टिक प्रदूषण एक सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा है जिसका हम आज सामना कर रहे हैं

जाजपुर; प्लास्टिक प्रदूषण आज हम जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय खतरों का सामना कर रहे हैं, उनमें से एक है। यह हमारे जीवन में घुसपैठ कर चुका है और हम इस पर इतने निर्भर हो गए हैं कि हम इसके नकारात्मक प्रभावों को नजरअंदाज कर देते हैं, लेखक इंजीनियर ताराप्रसाद मिश्रा ने कहा। प्लास्टिक आजकल हर जगह है। लोग इसे केवल अपने आराम के लिए अंतहीन रूप से उपयोग कर रहे हैं। हालांकि, किसी को इस बात का अहसास नहीं है कि यह हमारे ग्रह को कैसे नुकसान पहुंचा रहा है। हमें इसके परिणामों के बारे में जागरूक होने की जरूरत है ताकि हम प्लास्टिक प्रदूषण को रोक सकें। बच्चों को बचपन से ही प्लास्टिक के इस्तेमाल से बचने की सीख देनी चाहिए। इसी तरह, वयस्कों को एक-दूसरे की उसी पर जाँच करनी चाहिए। इसके अलावा, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, सरकार को प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। प्लास्टिक सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थों में से एक बन गया है। यह इन दिनों सुपरमार्केट से लेकर आम घरों तक हर जगह देखा जाता है। ऐसा क्यों? प्लास्टिक का उपयोग कम होने के बजाय क्यों बढ़ रहा है? मुख्य कारण यह है कि प्लास्टिक बहुत सस्ता है। यह कागज और कपड़े जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में कम खर्च होता है। यही कारण है कि यह इतना आम है। दूसरे, इसका उपयोग करना बहुत आसान है। प्लास्टिक का उपयोग लगभग किसी भी चीज के लिए किया जा सकता है, चाहे वह तरल हो या ठोस। इसके अलावा, यह विभिन्न रूपों में आता है जिसे हम आसानी से ढाल सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण मानव जाति, वन्य जीवन और जलीय जीवन सहित पूरी पृथ्वी को प्रभावित कर रहा है। यह एक ऐसी बीमारी की तरह फैल रहा है जिसका कोई इलाज नहीं है। हम सभी को इसका हमारे जीवन पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभाव को समझना चाहिए ताकि इसे जल्द से जल्द टाला जा सके। प्लास्टिक हमारे पानी को प्रदूषित करता है। हर साल, टन प्लास्टिक समुद्र में फेंक दिया जाता है। चूंकि प्लास्टिक घुलता नहीं है, यह पानी में रहता है जिससे इसकी शुद्धता में बाधा आती है। इसका मतलब है कि आने वाले वर्षों में हमारे पास साफ पानी नहीं बचेगा। इसके अलावा, प्लास्टिक हमारी भूमि को भी प्रदूषित करता है। जब मनुष्य प्लास्टिक कचरे को लैंडफिल में डंप करते हैं, तो मिट्टी क्षतिग्रस्त हो जाती है। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है। इसके अलावा, विभिन्न रोग वाहक कीट उस क्षेत्र में एकत्र हो जाते हैं, जिससे घातक बीमारियां होती हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्लास्टिक प्रदूषण समुद्री जीवन को नुकसान पहुंचाता है। पानी में मौजूद प्लास्टिक के कूड़े को जलीय जंतु गलत समझ लेते हैं। वे इसे खाते हैं और अंत में मर जाते हैं। उदाहरण के लिए, एक डॉल्फ़िन की मृत्यु उसके मुंह में फंसी प्लास्टिक की अंगूठी के कारण हुई। इससे वह अपना मुंह नहीं खोल सका और भूख से मर गया। इस प्रकार, हम देखते हैं कि कैसे प्लास्टिक प्रदूषण के कारण निर्दोष जानवर मर रहे हैं। संक्षेप में, हम देखते हैं कि कैसे प्लास्टिक प्रदूषण पृथ्वी पर सभी के जीवन को बर्बाद कर रहा है। इसे रोकने के लिए हमें बड़े कदम उठाने चाहिए। हमें प्लास्टिक की थैलियों के स्थान पर कपड़े की थैलियों और कागज के थैलों जैसे विकल्पों का उपयोग करना चाहिए। अगर हम प्लास्टिक खरीद रहे हैं तो हमें उसका दोबारा इस्तेमाल करना चाहिए। हमें बोतलबंद पानी पीने से बचना चाहिए जो प्लास्टिक प्रदूषण में बड़े पैमाने पर योगदान देता है। सरकार को प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्लास्टिक बैन लगाना चाहिए। यह सब काफी हद तक प्लास्टिक प्रदूषण को रोक सकता है। प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ रहा है क्योंकि आजकल लोग प्लास्टिक का अंतहीन उपयोग कर रहे हैं। यह बहुत ही किफायती और आसानी से उपलब्ध है। इसके अलावा, प्लास्टिक जमीन या पानी में नहीं घुलता है, यह सौ साल से अधिक समय तक रहता है, जिससे प्लास्टिक प्रदूषण में वृद्धि होती है। प्लास्टिक प्रदूषण विभिन्न तरीकों से पृथ्वी को प्रभावित कर रहा है। सबसे पहले, यह हमारे पानी को प्रदूषित कर रहा है। इससे साफ पानी की कमी हो जाती है और इस प्रकार हमारे पास सभी के लिए पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पाती है। इसके अलावा, यह हमारी मिट्टी और जमीन को भी बर्बाद कर रहा है। मिट्टी की उर्वरता कम हो रही है और रोग फैलाने वाले कीड़े प्लास्टिक के लैंडफिल में जमा हो रहे हैं। इंजीनियर अरुण पटनायक ने कहा, "अगर हम हवा, पानी और मिट्टी को प्रदूषित करते हैं जो हमें जीवित और अच्छी तरह से रखती हैं, और जैव विविधता को नष्ट कर देती हैं जो प्राकृतिक प्रणालियों को कार्य करने की अनुमति देती है, कोई भी पैसा हमें नहीं बचाएगा।"

बीजेबी छात्र आत्महत्या मामले में पुलिस जांच कर रही है

भुवनेश्वर: भुवनेश्वर में बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज की प्लस ३ छात्रा की आत्महत्या का मामला ओडिशा विधानसभा में गूंजने के लिए तैयार है, विपक्ष चल रहे मानसून सत्र में इस मुद्दे को उठाने की योजना बना रहा है।ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के मुख्य सचेतक मोहन चरण मांझी ने कहा, ठबीजेबी कॉलेज में हाल ही में एक छात्रा की आत्महत्या से पहले, इसी तरह की दो घटनाएं अतीत में हुई थीं।

उन्होंने कहा, ठऐसी घटनाएं बार-बार होना और सरकार की चुप्पी और गृह विभाग द्वारा कोई जांच नहीं करना कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में सरकार की विफलता को प्रदर्शित करता है।ठ

दूसरी ओर, कांग्रेस पार्टी की राज्य इकाई ने पूरी तरह से मांग की। मामले की जांच कर दोषियों की गिरफ्तारी। "लड़की को प्रताड़ित किया गया जिसने उसे आत्महत्या के लिए प्रेरित किया। मामले की जांच कराई जानी चाहिए। हम इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए और कड़ी सजा दी जानी चाहिए ताकि कोई भी देश के किसी भी शैक्षणिक संस्थान में रैगिंग में शामिल होने की हिम्मत न करे," कांग्रेस विधायक सुरेश राउतरे ने कहा।

इस बीच, एक अतिरिक्त डीसीपी के नेतृत्व में तीन सदस्यीय पैनल मामले की जांच कर रहा है। भुवनेश्वर एसीपी (जोन -४) परेश कुमार राउत, बरगडा थाना प्रभारी और एक सब-इंस्पेक्टर की टीम छात्रावास के सभी १३४ कैदियों से पूछताछ कर रही है. जांच टीम कॉलेज स्टाफ, छात्रावास अधीक्षक और वार्डन को जांच के दायरे में लाएगी.

विशेष रूप से, बीजेबी कॉलेज की प्लस ३ प्रथम वर्ष (ऑनर्स) की छात्रा रुचिका मोहंती शनिवार को कॉलेज के करूबाकी छात्रावास में अपने कमरे में लटकी हुई पाई गई थी।

बाद में, एक कथित सुसाइड नोट बरामद किया गया जिसमें पीड़िता ने कहा कि उसने तीन वरिष्ठ छात्रों द्वारा परेशान किए जाने के बाद अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली।

जिन तीन वरिष्ठों के खिलाफ आरोप लगाए गए थे, उनकी पहचान अभी नहीं हो पाई है।

रुचिका आत्महत्या मामले पर कार्रवाई करेगी सरकार : उच्च शिक्षा मंत्री

भुवनेश्वर: बीजेबी कॉलेज की छात्रा की आत्महत्या के एक दिन बाद, ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री रोहित पुजारी ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार उचित कार्रवाई करेगी। उन्होंने मृतक छात्र के परिवार के प्रति भी संवेदना व्यक्त की। मंत्री पुजारी ने ट्विटर पर कहा, "बीजेबी कॉलेज की प्लस घ्घ्ध्र की छात्रा रुचिका मोहंती की असामयिक मृत्यु से मुझे गहरा दुख हुआ है, जो करूबाकी छात्रावास में रह रही थी। शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं। यह एक संवेदनशील मुद्दा है। पुलिस जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार उचित कार्रवाई करेगी।''

कथित तौर पर इस घटना के बाद कांग्रेस की छात्र इकाई (छत्र कांग्रेस) ने शनिवार को राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के आवास का घेराव किया।

पुलिस ने छत्र कांग्रेस के कई कार्यकर्ताओं को उस समय उठाया, जब वे रात में मंत्री रोहित पुजारी के सरकारी आवास में घुसने का प्रयास कर रहे थे।इस बीच, मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल का गठन किया गया है और पैनल का नेतृत्व एक अतिरिक्त डीसीपी करेंगे।जांच के दौरान सभी १३४ छात्रावास बंदियों से पूछताछ की जाएगी जबकि कॉलेज स्टाफ, छात्रावास अधीक्षक और वार्डन को जांच के दायरे में लाया जाएगा.

रुचिका शनिवार को यहां अपने छात्रावास के कमरे में मृत पाई गईं। एक नोट में, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके वरिष्ठों ने उसे प्रताड़ित किया।

छात्र की मौत की सीबी जांच के आदेश दें : आरएफसीए ने नवीन से कहा

भुवनेश्वर ०३ जुलाई (वार्ता) परिसर को रैगिंग से मुक्त करने के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संगठन रैगिंग मुक्त कैम्पस अभियान (आरएफसीए) ने रविवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से यहां कथित रूप से एक छात्रा की मौत की अपराध शाखा से जांच का आदेश देने का आग्रह किया। एन बीजेबी ऑटोनॉमस कॉलेज में इतिहास (ऑनर्स) के प्लस ३ प्रथम वर्ष की छात्रा रुचिका मोहंती ने शनिवार को कॉलेज के छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस को कथित तौर पर उसके द्वारा लिखा गया एक सुसाइड नोट मिला जिसमें लड़की ने आरोप लगाया था कि तीन वरिष्ठ छात्राओं ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और उसे चरम कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

हालांकि, उसने नोट में तीन सीनियर छात्राओं के नाम का जिक्र नहीं किया है।

आरएफसीए के संयोजक तेजेश्वर परिदा ने पत्रकारों से कहा कि विभिन्न शिक्षण संस्थानों में रैगिंग के कारण हुई मौतों में मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करना चाहिए और रैगिंग के लिए जीरो टॉलरेंस की घोषणा करनी चाहिए।

आरएफसीए के सह-संयोजक मीर अहमद अली और नलिनीकांत नायक ने राज्य के सभी विधायकों से विधानसभा के चल रहे सत्र में इस मुद्दे को उठाने का अनुरोध किया है। परिदा ने कहा, राज्य को राज्य में रैगिंग की बढ़ती घटनाओं की जांच के लिए तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की तर्ज पर ''द ओडिशा रैगिंग निषेध अधिनियम'' लागू करना चाहिए।

ईर्ष्ं ने राज्य सरकार से राज्य-स्तरीय एंटी-रैगिंग टास्क फोर्स का गठन करने और मानवाधिकार संरक्षण सेल में २४ घंटे की एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन शुरू करने की मांग की।

परिदा ने राज्य सरकार से २००१ में सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों, डॉ आर के राघवन समिति की सिफारिशों और २००९ में रैगिंग पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने की मांग की।

उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षण संस्थानों में गठित एंटी रैगिंग कमेटियां काम नहीं कर रही हैं और उनकी कोई जवाबदेही नहीं है।

शिक्षण संस्थान अपने संस्थानों में रैगिंग स्वीकार नहीं कर रहे हैं और इसे दबा रहे हैं। परिदा ने कहा कि रैगिंग के एक मामले में सजा की मात्रा इतनी हल्की है कि वह इस खतरे को रोकने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थान रैगिंग को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि रैगिंग के सबूत के बावजूद, बोलांगीर के भिंभोई मेडिकल कॉलेज में दो छात्रों की हत्या को आत्महत्या के रूप में पेश किया गया।

लंबित कार्यों को लेकर जिलाधीश से मिला समुदाय विशेष का प्रतिनिधिमंडल

संबलपुर : शनिवार के दिन, संबलपुर के समुदाय विशेष का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधीश कार्यालय पहुंचकर नई जिलाधीश अनन्या दास का गर्मजोशी से स्वागत करने समेत उनसे समाज के विभिन्न लंबित विकास कार्यों पर ध्यानाकर्षित किया। समुदाय विशेष के प्रतिनिधियों की ओर से मुख्यमंत्री कोष से स्थानीय जिला स्कूल चौक निकटस्थ पलटन मस्जिद के लंबित कार्य, पीर बाबा चौक निकटस्थ सेनपार्क के सामने सुन्नी कब्रिस्तान के लंबित विकास और आवश्यक कार्यों पर चर्चा की गई।

शांतिपूर्ण ढंग से हुआ कटक मारवाड़ी समाज का चुनाव

बिना मास्क के पहुंचे मतदाता, पुलिस प्रशासन बनी मूकदर्शक

कटक:- कटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष पद (२०२२- २४) के लिए रविवार को बालू बाजार स्थित मारवाड़ी हिंदी विद्यालय में चुनाव संपन्न हुआ. चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए २ प्रत्याशियों में किशन कुमार मोदी एवं सुरेश कुमार शर्मा के बीच चुनाव हुआ. मुख्य चुनाव अधिकारी मंगल चंद चोपड़ा ने बताया कि ७००० मतदाताओं में मात्र १५३५ वोट पड़े. इस प्रकार देखा जाए तो २१.४ परसेंट मतदान हुआ. चुनाव में पहले की तरह मतदाताओं में उत्साह नहीं देखी गई जिसका एक कारण यह भी बताया जा रहा है कि किशन कुमार मोदी के टक्कर में कोई दमदार प्रत्याशी नहीं खड़ा था. हालांकि चुनाव के दौरान यह भी चर्चा रही कि हेमंत अग्रवाल अगर मैदान में डटे होते तो चुनाव की रूपरेखा कुछ अलग ही होती. मतदान के दौरान यह भी देखा गया कि कोविड गाइडलाइन की खूब धज्जियां उड़ाई गई. मतदान केंद्र पर पहुंचे मतदाताओं ने बिना मास्क के ही मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदान किया. यहां तक खाकी वर्दी में तैनात पुलिसकर्मी भी बिना मास्क के देखे गए. जबकि २ जुलाई को कटक मुंसिपल कॉरपोरेशन (सीएमसी) की ओर से एक गाइडलाइन जारी की गई थी कि भीड़भाड़ वाले जगह पर २ मीटर की दूरी एवं मास्क का इस्तेमाल अति आवश्यक है लेकिन कटक मारवाड़ी समाज के चुनाव में

चुनाव समिति की ओर से कोविड गाइडलाइन की कोई भी दिशानिर्देश जारी नहीं की गई थी. जिस कारण मतदाता बिना मास्क के देखे गए. मतदान करने पहुंचे लोगों को गेट पर ही पहचान पत्र (आईडी प्रूफ) देखकर मतदान के लिए छोड़ा जा रहा था समाचार लिखे जाने तक मतगणना जारी थी.

दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता टूर्नामेंट में यूपी टीम ने मारी बाजी

छत्तीसगढ़ को हरा कर प्रतियोगिता का खिताब किया अपने नाम

उमड़ते जनसैलाब के बीच प्रयास इंडिया चैरिटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ समापन

सुंदरगढ़ जिला एसपी सागरिका नाथ ने विजेता और उपविजेता को किया पुरस्कृत

केरला, उत्तरप्रदेश, झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्यप्रदेश और दिल्ली की दिव्यांग क्रिकेट टीम ने दिखाया अपना जलवा

राजेश दाहिमा

राजगांगपुर:रथयात्रा के पावन अवसर पर शुभारंभ हुए दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता टूर्नामेंट का रविवार को धूमधाम से समापन हुआ। इस मौके पर प्रयास इंडिया चैरिटी फाउंडेशन द्वारा संचालित आल इंडिया टीम टेन दिव्यांग क्रिकेट प्रतियोगिता टूर्नामेंट में हुए रोमांचक मुकाबले में छत्तीसगढ़ को हरा कर प्रतियोगिता का खिताब यूपी दिव्यांग क्रिकेट टीम ने अपने नाम करने में कामयाब रहे।

एक जुलाई से आरंभ हुए इस प्रतियोगिता का आज समापन हुआ। आज हुए फाइनल मुकाबले के इस मैच में मुख्य अतिथि के रूप में सुंदरगढ़ एसपी सागरिका नाथ सामान्य अतिथि में नगरपाल माधुरी लुगुन, जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान , प्रमुख रूप से उपस्थित रहकर सभी खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किए

दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा एक से बढ़कर शानदार प्रदर्शन आज के मैच में देखा गया। आज दो सेमीफाइनल मैच खेला गया पहला सेमीफाइनल उत्तरप्रदेश बनाम केरेला के बीच खेला गया।जिसमें रोमांचक मैच में केरेला को हरा उत्तरप्रदेश फाइनल में प्रवेश कर गया दूसरा सेमीफाइनल मैच ओडिशा बनाम छत्तीसगढ़ के बीच खेला गया। जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए ओडिशा ५ ओवर में ताबड़तोड़ ६४ रन बनाए रनों का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ टीम चार ओवर तीन गेंद में ताबड़तोड़ पारी खेलकर फाइनल में प्रवेश कर गई। सुबह हुई बारिश के कारण आज सारे मैच पांच ओवर के हुए।

फाइनल मैच में टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ बैटिंग में उतरी , उत्तरप्रदेश की घातक गेंदबाजी के सामने छत्तीसगढ़ पांच ओवर में ३६ रन पर सिमट गई।

रनों का पीछा करने उतरी उत्तरप्रदेश की टीम चार ओवर तीन गेंद में मैच अपने नाम कर प्रयास इंडिया चैरिटी फाउंडेशन द्वारा कराए जा रहे टी टेन मुकाबला अपने नाम कर लिया।

राजगांगपुर के स्टेडियम में चल रहे टी टेन प्रतियोगिता में दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा अच्छा प्रदर्शन कर दर्शकों का मन मोह लिया।

राजगांगपुर में पहली बार दिव्यांग क्रिकेट का लुत्फ लेने मैदान में सैकड़ों की तादाद में दर्शक भी पहुंचे।

दस राज्यों से पहुंचे दिव्यांग खिलाड़ी हर मैच में अपना जलवा बिखेरते दिखे क्या बल्लेबाजी , क्या बोलिंग, क्या फिल्डिंग खिलाड़ियों के खेल के तरीके, जज्बे को देख मैदान में मौजूद दर्शक ताली बजाकर उत्साह बढ़ाते दिखे।

सीरीज पर अपना कब्जा जमाने वाले उत्तर प्रदेश की टीम को सुंदरगढ़ एसपी सागरिका नाथ ने ट्रॉफी और कैश प्राइज देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज ट्रॉफी देकर नगरपाल माधुरी लुगुन ने सम्मानित किया

इस मैच को सफल आयोजन के लिए प्रयास इंडिया चैरिटी फाउंडेशन और राजगांगपुर एथलेटिक एसोसियेशन का अहम योगदान रहा। इसमें एसोसिएशन के महासचिव संग्राम केसरी दास उर्फ राजा भाई, किशोर कोइरी,मंच संचालक अशोक साहु और शिल्पी एक्का , प्रयास इंडिया चैरिटी फाउंडेशन के राजगांगपुर अध्यक्ष शोएब आलम, सचिव राजेंद्र बेहेरा, मनोज साहु, अजय केडिया ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

हीराकुद बांध के जीरो प्वाइंट में फिर लूटपाट

संबलपुर, एमएस संवाददाता : विश्वप्रसिद्ध हीराकुद बांध के बुर्ला थाना अंतर्गत जीरो प्वाइंट इलाके में लूटपाट की फिर एक घटना हो गई। इस बार लुटेरों ने खेतराजपुर के शुभम सिंह को शिकार बनाकर उसकी स्कूटी समेत मोबाइल फोन और एक हजार रुपए लूट कर फरार हो गए। इसकी रिपोर्ट दर्ज होने के बाद बुर्ला पुलिस लुटेरों की तलाश कर रही है। गौरतलब है कि करीब दस दिन पहले भी लुटेरों ने संबलपुर के भुतापाड़ा के मोहम्मद इरशाद से जीरो प्वाइंट इलाके में लूटपाट किया था। इस मामले में बुर्ला पुलिस ने बरगढ़ जिला के पांच युवकों को गिरफ्तार भी किया था, बावजूद इसके जीरो प्वाइंट इलाके में लूटपाट की घटना कम नहीं हुई है।

बुधवार के दिन खेतराजपुर इलाके में रहने वाला शुभम सिंह अपने साथियों के साथ हीराकुद बांध के जीरो प्वाइंट की ओर घूमने गया था। शाम के समय वापस लौटते समय शुभम के साथी नाश्ता लेने गए थे। तभी तीन लुटेरों ने लघुशंका करते शुभम को अकेले देख पीछे से दबोच लिया और उसके पास से मोबाइल फोन, नकद एक हजार रुपए और स्कूटी लूटकर फरार हो गए। बताया गया है कि शुभम ने जब विरोध किया तब लुटेरों ने उसके सिर पर पत्थर मारकर घायल कर दिया था।

Printed by Abinash Mishra Published by Abinash Mishra on behalf of (or owned) by Padmalaya Mishra And Printed at M/S Durga Madhav Printers, At-Bajrakabati Road Po-Buxibazar, Cuttack-1 Dist-Cuttack ODISHA)
Published at Thatari Sahi,Chauligang Po-Nayabajar, Cuttack-4, Dist-Cuttack ODISHA). **Editor-Abinash Mishra** Mob-9437045332 email:mahanadisuperfast20@gmail.com,

मुद्रक अविनाश मिश्र तथा प्रकाशक अविनाश मिश्र दबारा(स्वामी का नाम) पद्मालया मिश्र (मुद्रण स्थल) से मुद्रति तथा दुर्गा माधब प्रीण्टर्स आट-बज्रक बाटी रोड , बक्सीबजार ,कटक -1 (प्रकाशन स्थल) से प्रकाशीत थाटरी साही , चाउलीआ गंज ,कटक -753004 संपादक : अविनाश मिश्र